लखनऊ
गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026
वर्ष : 11 I अंक: 225
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

"मेहनत की आदत डाल लो, किस्मत खुद एक दिन आपको सलाम करने आएगी।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi
NIGHT 17° Low

## संक्षेप

### उग्रवादियों ने रची मौत की साजिश, नींद में सो रहे 6 महीने की बच्ची समेत 2 मासूमों के उड़े चिथड़े, दहल उठा मणिपुर

**बिष्णुपुर।** लंबे समय से जातीय हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां सक्रिय हुए उग्रवादी संगठनों ने एक बार फिर अपनी कायराना हरकत को अंजाम देते हुए खून-खराबा किया है। इस ताजा हमले में उग्रवादियों ने इंसानियत की सारी हदें पार करते हुए सोते हुए दो छोटे और बेगुनाह बच्चों को मौत के घाट उतार दिया है। हमले में बच्चों की मां भी बुरी तरह घायल हो गई है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत और मातम का माहौल है। रोंगटे खड़े कर देने वाली यह घटना बिष्णुपुर जिले के मोइरांग त्रोंगलाओबी गांव की है, जो चूराचांदपुर की सीमा के बिल्कुल करीब स्थित है। जानकारी के अनुसार, 6 और 7 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब एक बजे कुकी उग्रवादियों ने एक घर को निशाना बनाते हुए उस पर बम से जानलेवा हमला कर दिया। उस वक्त घर के अंदर एक मां अपने दो छोटे बच्चों के साथ गहरी नींद में सो रही थी। तीनों नींद के आगोश में ही थे कि अचानक उनके घर पर गिरा बम एक जोरदार धमाके के साथ फट गया। इस भयानक हमले में एक पांच साल के मासूम बच्चे और महज छह महीने की एक दूधमुंही बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। बम धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। आनन-फानन में खून से लथपथ मां और दोनों बच्चों को निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने दोनों मासूम बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बुरी तरह घायल मां का इलाज जारी है। आपको बता दें कि मणिपुर में भड़की हिंसा के बाद से ही मोइरांग त्रोंगलाओबी का यह सीमावर्ती इलाका लगातार कुकी उग्रवादियों के निशाने पर रहा है और यहां पहले भी कई बार गोलीबारी की घटनाएं हो चुकी हैं।

### फारूक अब्दुल्ला ने किया अमेरिका-ईरान युद्धविराम का स्वागत, कहा- जंग नहीं, संवाद से आएगी शांति

**जम्मू।** अमेरिका-ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम समझौते का जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने का स्वागत किया है। उन्होंने पश्चिम एशिया में जल्द शांति बहाल होने की उम्मीद जताई। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि किसी भी संघर्ष का समाधान केवल बातचीत के जरिए ही संभव है। बुधवार (8 अप्रैल) को पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि युद्धविराम हो गया है क्योंकि युद्ध कोई समाधान नहीं है, केवल बातचीत ही समाधान है। हमें उम्मीद है कि जब दोनों देश मिलेंगे तो वे मध्यस्थता पर चर्चा करेंगे क्योंकि इस युद्ध ने सभी देशों को प्रभावित किया है'। इसके आगे उन्होंने कहा 'मैं अल्लाह का शुक्रगुजार हूं कि दोनों देशों अमेरिका और ईरान को एक साथ बैठकर बात करने की ताकत दी। क्योंकि बातचीत के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है'। उन्होंने कहा कि युद्धविराम के लिए अमेरिका और ईरान को बधाई देते हुए कहा कि युद्ध कोई समाधान नहीं है।

# अमेरिका-ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर: 40वें दिन जंग रुकी, राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान पर 2 हफ्तों के लिए हमले रोकने का ऐलान

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** पहले तेहरान पर ताबड़तोड़ हमला फिर पूरी सभ्यता को बर्बाद करने की धमकी और आखिर में युद्ध विराम... 39 दिन के जंग में ईरान ने अमेरिका के छक्के छुड़ा दिए। करीब 40 बिलियन डॉलर खर्च करके भी अमेरिका ईरान में कुछ खास हासिल नहीं कर पाया। उलटे वाशिंगटन को तेहरान की शर्तों पर अस्थाई समझौता करना पड़ा है। अमेरिका के भीतर इसको लेकर राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना तेज हो गई है। हालांकि, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरोलिना लैविट ने ईरान सीजफायर को अमेरिका की जीत बताया है।

असल में यह जीत ईरान की है। क्योंकि, जंग से पहले जिन शर्तों को लेकर ईरान पर दबाव था, वो अब काफी पीछे छूट चुका है। ईरान अब खुद की शर्तों पर समझौता चाहता है। अमेरिका ने भी इसकी हामी दे दी है। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेन्नेट ने इसे इजराइल के लिए आत्मघाती करार दिया है।

### यह अमेरिका की हार क्यों है, 5 पॉइंट्स

1- अमेरिका की सूची में अब तक ईरान से समझौते की पहली शर्त संवर्धित यूरेनियम को शिफ्ट करना रहा है, लेकिन अब इसमें बदलाव आ गया है। 2 हफ्ते का जो समझौता हुआ है, उसमें ईरान की तरफ से सिर्फ होर्मुज को खोला जाएगा। वो भी सशर्त। ईरान टोल लेकर होर्मुज से जहाजों को गुजरने देगा। अब तक होर्मुज से जहाजों का गुजरना मुफ्त था।

2- अमेरिका ने सीजफायर आनन-फानन में किया है। सीजफायर में सिर्फ खुद का हित देखा है। INSS के सीनियर फेलॉ डेनिस सिट्रिनोविच का कहना था कि जंग की लागत लगातार बढ़ रही थी। अमेरिका इसलिए इससे बाहर निकलना चाह रहा था। आखिर में उसने ईरान के प्रस्ताव को मान लिया। सीजफायर के लिए अमेरिका ने मिडिल ईस्ट के अपने सहयोगियों से भी कोई बात नहीं की।

3- अमेरिकी सीनेटर क्रिस मॉर्फी ने इसे आत्मसमर्पण बताया है। मॉर्फी का कहना है कि ट्रंप ने जिस तरीके से एक दिन पहले आए ईरान के प्रस्ताव को स्वीकार किया है। वो आत्मसमर्पण है। वो भी ऐसे वक्त में जब ईरान काफी कमजोर स्थिति में है। इसके बावजूद पूरी दुनिया को यह संदेश चला गया है कि होर्मुज पर ईरान का कंट्रोल है। इसे अमेरिका वापस नहीं ले पाया।

4- डेनिस सिट्रिनोविच के मुताबिक आगे की जो वार्ता होगी, उसमें अमेरिका अब जंग की धौंस नहीं दे सकता है। समझौता अब सिर्फ व्यावसायिक हितों के आधार पर हो सकता है। ईरान अब अमेरिकी जंग से नहीं डरने वाला है। उसने जंग में सबसे बुरी स्थिति देख ली है।

5- ईरान जंग की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप ने तख्तापलट की बात कही थी, लेकिन 40 दिन बाद भी ईरान पर इस्लामिक गणराज्य की मजबूत पकड़ है। ट्रंप ने समझौते के लिए भी इस्लामिक गणराज्य के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई से ही संपर्क साधा। इतना ही नहीं, उन्होंने एक पोस्ट में मुज्तबा को कम कट्टरपंथी नेता बताया है।

### ट्रंप ने ईरान की शर्तों को बेहतरीन बताया

स्काई न्यूज से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की शर्तों को बेहतरीन बताया है। ट्रंप ने कहा कि इसमें सब कुछ है। अधिकांश पर हमारी सहमति बन गई है। कुछ पर हम बात कर रहे हैं। जिन लोगों को इसके बारे में पता नहीं है, वही इसे गलत बोल रहे हैं।

ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका का मकसद पूरा हो चुका है। ईरान सैन्य स्तर पर पूरी तरह टूट चुका है। अब ईरान हमारे लिए खतरा नहीं है।

## होर्मुज में टोल वसूलेगा 'विजेता' ईरान, भारत के दोस्त ने मारी असली बाजी, सऊदी-यूएई और कतर को झटका

**तेहरान, एजेंसी।** पाकिस्तान और चीन की मध्यस्थता के बाद अमेरिका और ईरान के बीच 2 सप्ताह के लिए सीजफायर का ऐलान हो गया है। अमेरिका और ईरान दोनों ने अपनी जीत का दावा किया है। हालांकि हकीकत यह है कि सीजफायर डील ईरान के 10 सूत्रीय प्रपोजल के आधार पर हुई है। इस डील के बाद अब ईरान अपने नुकसान की भरपाई के लिए होर्मुज स्ट्रेट में टोल लगाने की तैयारी कर रहा है। ईरान यहां से गुजरने वाले दुनिया के हर जहाज से 2 मलियिन डॉलर का टोल वसूलना चाहता है। ईरान ने कहा है कि वह इसमें अपने पड़ोसी ओमान को भी ट्रांजिट फीस में हिस्सा देगा जिससे मस्कट सबसे बड़ा वजिता बनकर उभरा है। इस बीच ओमान ने ईरान से उलट कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में कोई भी टोल नहीं लगाया जा सकता है। इससे इस मुद्दे दोनों देशों में मतभेद देखे जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इससे जमकर कमाई होगी और वह भी इसमें हिस्सा लेगा। ईरान के इस प्लान से दोनों ही देश अरबों डॉलर कमा सकते हैं। वहीं सऊदी अरब, यूएई, कतर जैसे खाड़ी के अन्य प्रभावशाली देशों को झटका लगा है। दरअसल, ईरान और ओमान के बीच मात्र 34 किमी का यह संकरा समुद्री इलाका दुनिया के तेल व्यापार की लाइफ लाइन है। इसके बंद होने से ही भारत समेत दुनियाभर में हाहाकार मच गया। यहां से ही दुनिया का तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। ईरान ने कहा है कि होर्मुज से वसूले गए पैसे से ही देश में पुर्ननिर्माण कार्य होगा।

## ईरान की इजरायल को खुली चेतावनी
## 'लेबनान में हमले न रुके, तो कुछ ही घंटों में तेल अवीव पर गिराएंगे बम'

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका के साथ संघर्ष विराम के बीच ईरान ने इजरायल को कड़ी चेतावनी दी है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा है कि अगर दक्षिण लेबनान पर इजरायली हमले जारी रहते हैं, तो वह तेल अवीव पर हमला कर सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब यह चर्चा की जा रही है कि क्या अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में लेबनान शामिल है या नहीं। रिपोट्र्स के अनुसार, ईरानी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा, ₹कुछ ही घंटों के भीतर, अगर दक्षिणी लेबनान में गोलीबारी नहीं रुकी, तो हमारी हवाई और मिसाइल यूनिट तेल अवीव पर बमबारी करेगी।₹

ईरान-अमेरिका में संघर्ष विराम के ऐलान के तुरंत बात हिजबुल्लाह ने बुधवार तड़के इजरायल और लेबनान में मौजूद इजरायली सैनिकों पर गोलीबारी रोक दी है। हिजबुल्लाह का कहना है कि उसने यह कदम अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम के हिस्से के तौर पर उठाया है। हालांकि, इजरायल ने इस संघर्ष विराम में लेबनान के शामिल होने से इनकार किया है। इजरायल ने कहा है कि हिजबुल्लाह के खिलाफ उसकी कार्रवाइयां जारी रहेंगी, जिसमें इस समूह के सैन्य अड्डों पर हमला शामिल है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 2 मार्च को फिर से लड़ाई शुरू हुई थी।

ईरान-अमेरिका संघर्षविराम में मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा करने वाले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि दो हफ्ते के इस संघर्ष विराम में लेबनान भी शामिल होगा। पहले भी ऐसी रिपोट्र्स आई थी कि ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी संभावित संघर्ष विराम में लेबनान को शामिल करने की इच्छा जताई थी।

## अमेरिका-ईरान सीजफायर पर आया भारत का पहला बयान, बोला- स्वागत करते हैं, हम शुरू से ही...

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका-ईरान जंग पर सीजफायर के ऐलान को लेकर भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया आई है। बुधवार (8 अप्रैल, 2026) को विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करके सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि सीजफायर से पश्चिम एशिया में स्थाई शांति स्थापित होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करके सीजफायर का ऐलान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत तो शुरुआत से ही बातचीत के जरिए तनाव को खत्म करने की वकालत करता रहा है। बयान में कहा गया है, 'हम पहले भी लगातार कहते रहे हैं कि मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए जरूरी है कि तनाव कम किया जाए और शांति स्थापित करने के लिए संवाद और कूटनीति जरूरी है।' विदेश मंत्रालय के बयान में एक महीने से भी ज्यादा समय तक चली अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग में हुए नुकसान पर भी चिंता जताई गई है। मंत्रालय ने कहा कि जंग के चलते पूरी दुनिया में एनर्जी सप्लाई और ट्रेड नेटवर्क बाधित हुए और आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी है।

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा- धर्म में अंधविश्वास क्या है, इसका फैसला करने का हमें अधिकार, सरकार का विरोध

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सबरीमाला मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसे किसी धर्म में अंधविश्वास से जुड़ी प्रथा पर फैसला सुनाने का अधिकार और क्षेत्राधिकार है। केंद्र सरकार की इस दलील के जवाब में सर्वोच्च न्यायालय ने यह बात कही कि एक धर्मनिरपेक्ष अदालत इस मुद्दे पर फैसला नहीं कर सकती क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है।

शुरुआत में, केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि अदालत यह कैसे तय करती है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है या नहीं। उन्होंने कहा, मान भी लें कि कोई प्रथा अंधविश्वास है, तो भी यह अदालत का काम नहीं है कि वह उसे अंधविश्वास घोषित करे। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(ख) के तहत, विधायिका को हस्तक्षेप करके सुधार कानून बनाना चाहिए। मेहता ने न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना, एम.एम. सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी. वराले, आर. महादेवन और जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया, विधायिका यह कह सकती है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है और उसमें सुधार की आवश्यकता है। काला जादू और ऐसी अन्य प्रथाओं की रोकथाम के लिए कई कानून और अधिनियम मौजूद हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि उसे किसी बात को अंधविश्वास मानने का अधिकार है।

### रिश्वत से कुछ भी करा लेंगे, ये आम आदमी की सोच, इन्हें बिना सजा के नहीं छोड़ना, हाईकोर्ट ने दिया करारा झटका

**प्रयागराज।** कानपुर में फर्जी पीएचडी डिग्री और यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर की नौकरी दिलाने के नाम पर हुई लाखों रुपये की ठगी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने मुख्य आरोपी महिला की एफआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज करते हुए बेहद तल्ख टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि समाज में एक बहुत ही डरावना चलन पनप रहा है, जहां आम आदमी यह सोचने लगा है कि रिश्वत देकर कुछ भी हासिल किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि कमजोर नैतिकता को दर्शाने वाले ऐसे अपराधों को बिना सजा के बिल्कुल नहीं छोड़ा जा सकता। इस पूरे फर्जीवाड़े की एफआईआर कानपुर के स्वरूप नगर थाने में 14 सितंबर 2024 को दर्ज की गई थी।

## गुजरात पर विवादित बयान से मचा बवाल, कांग्रेसअध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अब जताया खेद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के बारे में अपनी विवादास्पद टिप्पणियों पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है और उनका उद्देश्य कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। X पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने कहा कि वे गुजरात के लोगों का अत्यंत सम्मान करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। उनका यह स्पष्टीकरण केरल विधानसभा चुनावों से पहले बढ़ते विवाद के बीच आया है।

उन्होंने X पर एक पोस्ट में लिखा कि केरल में दिए गए मेरे हालिया चुनावी भाषण में कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं इसके लिए हार्दिक खेद व्यक्त करता हूं। मेरा इरादा कभी भी गुजरात के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था, जिनके लिए मेरे मन में हमेशा से सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे ने इडुक्की में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केरल के लोग 'शिक्षित और चतुर' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य क्षेत्रों के लोग आसानी से गुमराह हो जाते हैं। खरगे ने कहा था कि केरल के लोगों को गुमराह मत कीजिए। वे बहुत चतुर और शिक्षित हैं। मोदी जी, विजय (मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन), आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के निरक्षरों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को नहीं। इस टिप्पणी की तुरंत तीखी आलोचना हुई, खासकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से, जिसने उन पर गुजरातियों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इस बयान को गुजरात की जनता और उसकी विरासत का अपमान बताया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि इस टिप्पणी से लाखों लोगों का अपमान हुआ है और महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं सहित राष्ट्र के प्रति राज्य के योगदान को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक कुंठा के चलते बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि मतदाता ऐसी टिप्पणियों को नहीं भूलेंगे।

## पश्चिम बंगाल में 'घुसपैठियों' पर सियासी संग्राम, निशिकांत दुबे बोले- भाजपा ही एकमात्र विकल्प

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की पहचान को अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों ने नष्ट कर दिया है और सरकार बनने पर भाजपा ही उन्हें बाहर निकालने का एकमात्र विकल्प है।

एएनआई से बात करते हुए भाजपा सांसद ने दावा किया कि महर्षि अरविंद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित बंगाल की प्रतिष्ठित हस्तियों की सांस्कृतिक विरासत को तृणमूल कांग्रेस ने पिछले 15 वर्षों में नष्ट कर दिया है। दुबे ने कहा कि बंगाल की पहचान बहाल की जानी चाहिए और बंगाल को बंगालियों को सौंपा जाना चाहिए। वर्तमान में बंगाल बांग्लादेशियों के हाथों में है। महर्षि अरविंद हों, राज नारायण बोस हों, ईश्वर चंद्र विद्यासागर हों, श्यामा प्रसाद मुखर्जी हों, राजा राम मोहन रॉय हों या बिधान चंद्र रॉय हों—इन सभी की विरासत को तृणमूल कांग्रेस ने पिछले 15 वर्षों में नष्ट कर दिया है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मौजूदा शासन में बांग्लादेशी घुसपैठिए इस विरासत का नया चेहरा बन गए हैं और अगर भाजपा सरकार बनती है, तो ये तथाकथित घुसपैठिए बाहर हो जाएंगे। दुबे ने मौजूदा जनसांख्यिकीय चुनौतियों की जड़ को 1950 के नेहरू-लियाकत समझौते से भी जोड़ा। नेहरू और लियाकत के बीच दिल्ली समझौता 8 अप्रैल, 1950 को हुआ था, जिसके कारण पूरे बंगाल, असम और त्रिपुरा की जनसांख्यिकी बदल गई। उन्होंने दावा किया, भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बन गया, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश इस्लामी राष्ट्र बन गए, जिसके कारण बांग्लादेशी मुसलमानों का यहां आगमन हुआ। उन्होंने आगे कहा कि उस पहचान को वापस दिलाने के लिए भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत से काम कर रही है... अगर बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना है, तो भाजपा ही एकमात्र विकल्प है।

हमारी सरकार बनने पर बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां से बाहर हो जाएंगे। मतदाताओं की कुल संख्या 7,04,59,284 (7.04 करोड़) है, जिसमें विचाराधीन नामों को शामिल नहीं किया गया है। एसआईआर प्रक्रिया से पहले यह संख्या 7,66,37,529 (7.66 करोड़) थी। इससे मतदाता सूची में 61 लाख से अधिक नामों का बदलाव हुआ है। टीएमसी ने दावा किया कि विचाराधीन 60 लाख मतदाताओं में से 27 लाख नाम हटा दिए गए हैं।

इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सर्वे भवन में भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र से 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। ममता बनर्जी भाबानीपुर सीट से चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनका सामना एक बार फिर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी से होगा।

## आरएसएस मुख्यालय के करीब बड़ी साजिश नाकाम, गार्डन में मिला विस्फोटकों का जखीरा, हाई अलर्ट पर नागपुर

**नागपुर, एजेंसी।** महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में उस वक्त भारी हड़कंप मच गया, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। एक घर के गार्डन में लावारिस बैग के अंदर मौत का यह सामान मिलने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मौके पर बम निरोधक दस्ता, फॉरेंसिक टीम और भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर नागपुर को दहलाने की यह खौफनाक साजिश किसने रची थी। जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक वाकया नागपुर के सीए रोड स्थित दोसर भवन चौक इलाके का है। मंगलवार (7 अप्रैल) सुबह इलाके के एक मेट्रो स्टेशन के पास स्थित घर के छोटे गार्डन में मकान मालिक की नजर एक संदिग्ध बैग पर पड़ी। बैग के अंदर झांकते ही उसके होश उड़ गए, क्योंकि उसमें जिलेटिन स्टिक रखी हुई थीं। मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे इलाके को सील कर दिया। तलाशी के दौरान उस बैग से 15 जिलेटिन स्टिक, 50 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद किए गए हैं, जिन्हें अब सुरक्षित तरीके से जब्त कर लिया गया है। जिस इलाके में यह घातक विस्फोटक बरामद हुआ है, वह सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। घटनास्थल से महज 200 मीटर की दूरी पर जामा मस्जिद और 500 मीटर पर प्रसिद्ध पोद्दारेश्वर राम मंदिर स्थित है।

# उत्तर प्रदेश के मेरठ में भीषण हादसा, स्कूल बस पलटी, 10 छात्र जख्मी

आर्यावर्त संवाददाता

**मेरठ।** उत्तर प्रदेश के मेरठ में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। स्कूली बच्चों से भरी एक बस सड़क किनारे अचानक पलट गई। हादसा सुबह करीब सात बजे उस समय हुआ। इस बस में 35 बच्च सवार थे। इस हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। हादसा काली नदी के पास सड़क पर हुआ। बस के पलटते ही आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू किया।

कई बच्चे बस के अंदर सीटों के बीच फंसे हुए थे, जिन्हें निकालने के लिए लोगों को बस के शीशे तोड़ने पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के बाद बच्चों के बैग, किताबें और अन्य सामान सड़क पर बिखरे नजर आए। हादसे से घबराए बच्चे जोर-जोर से रोने लगे, जिन्हें वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह शांत कराया। इसके बाद घायल बच्चों को बाइक और एंबुलेंस की मदद से पास के एसडीएस ग्लोबल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

### घायल बच्चों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

डॉक्टरों के अनुसार, कुछ बच्चों को हल्की चोटें तो कुछ को ज्यादा चोटें भी आई हैं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह बस सेंट मैरी एकेडमी की बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही बच्चों के अभिभावक घबराए हुए अस्पताल और स्कूल पहुंचने लगे। गुस्साए परिजनों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

### बस चालक मौके से फरार

वहीं पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार करने का दावा किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि हादसे के असली कारणों की जांच की जा रही है, जिसमें बस की तकनीकी स्थिति, चालक की लापरवाही और सड़क की हालत जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। फिलहाल, प्रशासन और पुलिस की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं, जबकि स्कूल प्रबंधन भी स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है।

# अध्यापक संगोष्ठी व वार्षिक उत्सव में मेधावियों का सम्मान, 'स्कूल चलो अभियान' को मिला बल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** मॉडल इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय, वैदहा (जयसिंहपुर) में अध्यापक संगोष्ठी, वार्षिक उत्सव एवं 'स्कूल चलो अभियान' के अंतर्गत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिससे समूचा वातावरण ज्ञान एवं संस्कार की भावना से ओत-प्रोत हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इससे अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरणा मिली। अतिथियों के स्वागत एवं उद्बोधन का दायित्व विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कांति सिंह ने निभाया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए 'स्कूल चलो अभियान' के महत्व को रेखांकित किया तथा अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पाठ्यपुस्तक लेखक सर्वेश कांत वर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महिला कल्याण विभाग की प्रतिनिधि रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने 'स्कूल चलो अभियान' को सफल बनाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग करने का

आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला हेल्पलाइन विभाग की प्रतिनिधि सीता सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि महिला हेल्पलाइन सेवाएं संकट की स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने शिक्षा के प्रसार एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। आए हुए अतिथियों के प्रति अजीत यादव ने आभार व्यक्त किया।

# पुण्यतिथि पर याद किए गए बाबू राजकिशोर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बाबू राजकिशोर सिंह की पूण्यतिथि जिला एवं सत्र न्यायालय में बीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। पूर्व अध्यक्ष काशी प्रसाद शुक्ल, शिवमंगल शुक्ल, नरेन्द्र बहादुर सिंह, महेन्द्र प्रसाद शर्मा,मान सिंह,एसपी सिंह, संजय सिंह, रणजीत सिंह त्रिसुंडी ने उनके चित्र पर पुष्पअर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कहाकि स्व. सिंह बार एसोसिएशन को बढ़ाने के साथ जिले की राजनीति को नई गति दी। उनके कार्यों से हम सभी को प्रेरणा लेने की जरुरत है। अधिवक्ताओं व वादकारियों को प्रसाद भी वितरण किया गया। आयोजक समिति ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। यहां पर आशीष अग्रवाल, अवधेश सिंह, रंजीत यादव, अनुरुद्ध चौरसिया, धन्नजय उपाध्याय, देवी प्रसाद पाण्डेय, विवेक सिंह, अश्विनी सिंह, रविबंश सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरु ,बृजेश चौरसिया, अखण्ड प्रताप सिंह मोनू सिंह, संदीप वर्मा, शिवआशीष पाठक, अजय सिंह आजाद समेत अधिवक्ता रहे।

# संबंध बनाते समय पत्नी का कत्ल, कमरे में नग्न लाश छोड़ भाग गया पति, एकता हत्याकांड की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

**रामपुर।** यूपी के रामपुर के सिविल लाइंस कोतवाली इलाके के शिव विहार कॉलोनी में किराये के मकान में रहने वाली परिषदीय स्कूल में तैनात शिक्षिका की मौत मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शिक्षिका की मुंह दबाकर पति ने हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मृतका के पिता राजेंद्र सिंह की तहरीर पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है।

हत्या की यह वारदात शनिवार रात सिविल लाइंस की शिव विहार कॉलोनी की है। मेरठ जिले के मवाना तहसील के ग्राम खटीना निवासी राहुल की मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के भैंसी गांव निवासी पत्नी एकता उर्फ पूजा चमरौवा ब्लॉक के ठाकुरद्वारा स्थित परिषदीय स्कूल में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं।

करीब दो साल से वह अपने पति व बच्चे के साथ शिव विहार कॉलोनी में सुभाष कुमार के मकान में किराये पर रहती थीं। कॉलोनी के लोगों के अनुसार, सोमवार की सुबह दूध वाला आया और उसने कई आवाजें दी लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। जिस पर दूध वाले ने मकान मालिक को मामले की जानकारी दी।

### निर्वस्त्र हालत में पड़ा था एकता का शव

एकता का शव निर्वस्त्र हालत में पड़ा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की पुष्टि मुंह दबाकर दम घुटने से हुई थी। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि शनिवार को राहुल रामपुर आया था। उसकी पत्नी और बेटा घर में ही थे। इसके बाद उन्होंने शॉपिंग की। देर रात पत्नी से शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान उसकी बहस हुई और उसने मुंह दबाकर पत्नी की हत्या कर दी। कहा कि पूछताछ में राहुल ने मुंह दबाकर हत्या की बात कबूली भी है। बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। कहा कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

### नशे का आदी है राहुल, तीन बार जा चुका नशा मुक्ति केंद्र

एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया है कि राहुल नशे का आदि है। वह पूर्व में भी नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हो चुका है। सोमवार को हत्या के बाद वह मेरठ में नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती हुआ।

अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के अनुसार पूछताछ में उसके पति राहुल ने गला घोंटकर हत्या की बात स्वीकार की है। सूचना मिलने पर मौके पर आए राहुल के पिता नारायण सिंह का कहना है कि राहुल इस वक्त मेरठ के एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था। पिता ने बताया कि वह पांच दिनों पहले रामपुर आए थे। समय-समय पर वह सामान देने के लिए यहां पर आते रहते हैं। राहुल नशे का आदी है। उसे पहले भी दो बार नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती किया जा चुका था। रविवार की शाम को भी राहुल अपने पांच साल के बेटे आदि को लेकर मेरठ आया और अपने छोटे भाई को सूचना दी थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की, फिर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद किराये वाले कमरे को सील कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# निजी स्कूलों की 'लूट' पर कांग्रेस मुखर, आज बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** जनपद में निजी विद्यालयों की मनमानी और अभिभावकों के कथित आर्थिक-मानसिक शोषण के खिलाफ अब माहौल पूरी तरह गरमा गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन पर सीधा हमला बोलते हुए ऐलान किया है कि आज 9 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, और यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और आक्रामक रूप दिया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए कहा कि निजी स्कूलों ने शिक्षा को धंधा बना दिया है। रजिस्ट्रेशन, एडमिशन फीस, किताब-कॉपी और ड्रेस के नाम पर अभिभावकों से खुलेआम लूट मचाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा वसूली तंत्र प्रशासन की शह पर चल रहा है और जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे हैं। शहर अध्यक्ष ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस लूट और शोषण पर तत्काल रोक नहीं लगी, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आर-पार की लड़ाई लड़ेगी। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज कर दिया जाएगा। युवा छात्र नेता मानस तिवारी ने कहा कि अब अभिभावकों का गुस्सा फूटने के कगार पर है और कांग्रेस उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करेगी। यह सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि हर परिवार के सम्मान और भविष्य का सवाल है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने जानकारी दी कि 9 अप्रैल को होने वाले प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रशासन को सीधी चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई।

# बेटे की मौत के सदमे में मां की भी हार्ट अटैक से मौत, गांव में छाया मातम

आर्यावर्त संवाददाता

**हाथरस।** हाथरस के सादाबाद क्षेत्र के शेरपुर गांव में मंगलवार की रात एक ऐसी हृदय विदारक घटना घटी, जिसने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। प्रॉपर्टी डीलर राजकुमार उर्फ राजू (41) की आगरा में उपचार के दौरान मौत हो गई। लेकिन इस दुखद खबर का दर्द यहीं नहीं थमा। जैसे ही उनका शव घर पहुंचने पर मां राजवती देवी को बेटे की मौत का पता चला, वह यह आघात सहन नहीं कर सकीं और उन्हें भी दिल का दौरा पड़ गया। देखते ही देखते एक ही रात में मां और बेटे, दोनों की जिंदगी की डोर टूट गई।

बताया जाता है कि मंगलवार शाम राजकुमार को अचानक सीने में तेज दर्द और घबराहट महसूस हुई। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सादाबाद ले गए, जहां से चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया। तमाम प्रयासों

के बावजूद आगरा में इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। जब रात में उनका शव गांव पहुंचा, तो घर में कोहराम मच गया। बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां राजवती देवी का दिल टूट गया। पुत्र वियोग का यह असहनीय दुख उन्हें भीतर तक झकझोर गया और कुछ ही क्षणों में उनकी भी मौत हो गई।

राजकुमार अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और अपने पीछे दो छोटे भाइयों और दो बेटों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी असमय मौत से जहां बेटों के सिर से पिता का साया उठ गया, वहीं मां की मौत ने परिवार को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया है। बुधवार सुबह जब एक ही घर से मां और बेटे की अर्थियां उठीं, तो पूरा शेरपुर गांव गमगीन हो उठा। हर आंख नम थी, हर दिल भारी-और हर जुबां पर बस यही सवाल था कि आखिर इतना बड़ा दुख एक ही परिवार पर क्यों टूटा। गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है, और हर कोई इस असहनीय पीड़ा को महसूस कर रहा है।

### शिक्षा का मंदिर या व्यापार का मॉल

**सुल्तानपुर।** कहते हैं शिक्षा सेवा है पर कुछ निजी विद्यालयों ने इसे ऐसा स्टार्टअप बना दिया है जहाँ मुनाफा ही असली विषय बन चुका है। कॉपी, किताब और ड्रेस अब ज्ञान के साधन नहीं बल्कि पैकेज डील हो चुके हैं और वो भी ऐसी जिसमें ग्राहक (यानी अभिभावक) की कोई पसंद-नापसंद नहीं चलती।

विद्यालय का फरमान साफ है कि कॉपी-किताब वहीं से लो जहाँ हम बताएँगे। ड्रेस उसी दुकान से खरीदो जो मान्य है। और अगर 10वीं में हो तो एनसीईआरटी के साथ बोनस किताब भी ज़रूरी. चाहे उसकी ज़रूरत हो या नहीं। अब सवाल ये है कि ये बोनस ज्ञान के लिए है या बोनस कमाई के लिए? सूत्रों की मानें तो कुछ स्कूलों ने तो खुद ही दुकान खोल ली है। वाह! शिक्षा भी अपनी, दुकान भी अपनी और मुनाफा भी अपना। ऊपर से पब्लिकेशन हाउस के साथ मोटी डील। ताकि हर शाखा में एक ही किताब चले और हर साल वही अनिवार्य खरीदारी जारी रहे। इसे कहते हैं एक तीर से कई जेबें खाली करना।

# आरपीएफ कैंप में बिना अनुमति घुसे दो युवक पकड़े, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क, 2007 में हो चुका आतंकी हमला

आर्यावर्त संवाददाता

**रामपुर।** सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बिना अनुमति प्रवेश करने का मामला सामने आने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कैंप के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया है।

सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरव राजपूत की तहरीर के अनुसार, दोनों युवक बाइक से कैंप परिसर में प्रवेश कर गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें संदिग्ध रूप से घूमते देखा और रोककर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और गुमराह करने का प्रयास किया।

सख्ती से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम नईम निवासी ग्राम पटवाई और दूसरे ने भूरा निवासी ग्राम घोसीपुरा बताया। घटना को गंभीर मानते हुए सीआरपीएफ प्रशासन ने सिविल

लाइंस थाना पुलिस को तहरीर दी। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

घटना के बाद कैंप की सुरक्षा और सख्त कर दी गई है। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर ओमकार सिंह ने बताया कि दोनों से पूछताछ की गई है और उनका चालान कर दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

### मोबाइल और पहचान की जांच जारी

पुलिस दोनों संदिग्धों के मोबाइल फोन, पहचान पत्र और आपसी संपर्कों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कैंप में प्रवेश का उद्देश्य क्या था और उनका किसी संदिग्ध गतिविधि से संबंध तो नहीं है।

### पहले भी हो चुका है हमला

31 दिसंबर 2007 की रात सीआरपीएफ समूह केंद्र पर आतंकियों ने हमला किया था। एके-47 और हथगोले से लैस हमलावरों ने शिविर के फाटक संख्या तीन में घुसकर फायरिंग की थी। इसमें सीआरपीएफ के सात जवान शहीद हुए थे। एक रिक्शा चालक की मौत भी हुई थी। तब से कैंप की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई का निधन, नोएडा में आज होगा अंतिम संस्कार

आर्यावर्त संवाददाता

**मेरठ।** पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई का आज बुधवार सुबह 94 साल की आयु में निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार थीं और अस्पताल में भर्ती थीं। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी से नाता रखने वाली मोहसिना किदवई इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकार में मंत्री रही हैं और उन्होंने पार्टी में कई अहम पदों को संभाला।

मोहसिना किदवई के पार्थिव शरीर को आज दोपहर 3 बजे नोएडा के सेक्टर 40 स्थित उनके आवास से अंतिम यात्रा के लिए ले जाया जाएगा। उन्हें शाम करीब 5 बजे निजामुद्दीन कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। कांग्रेस की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार, किदवई ने आज सुबह 4 बजे एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। देश की सियासत

में एक कद्दावर नेता रहीं किदवई का राजनीतिक सफर कई दशकों तक फैला रहा, जिसमें उन्होंने पार्टी और केंद्र सरकार के कई अहम पदों पर काम किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अंदर भी कई अहम संगठनात्मक जिम्मेदारियों को निभाया।

वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) की महासचिव रहीं। साथ में उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की सदस्य और केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की सदस्य के रूप में लंबे समय तक काम किया। इसके अलावा, उन्होंने हज कमेटी की अध्यक्ष के रूप में भी एक अहम प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाई, जिसके तहत उन्होंने हर साल हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाओं की देखरेख की।

### मेरठ सीट से चुनी गई लोकसभा सांसद

मोहसिना किदवई उत्तर प्रदेश के मेरठ सीट से छठी लोकसभा के लिए चुनी गईं। साथ ही उन्होंने सातवीं और आठवीं लोकसभा में भी अपनी यह सीट बरकरार रखी। इसके अलावा वह 2004 से 2016 तक छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सांसद भी रहीं। वह उत्तर प्रदेश में मंत्री रहने के अलावा इंदिरा गांधी की सरकार (1984) में ग्रामीण विकास मंत्री रहीं।

फिर राजीव गांधी (1984-89) की अगुवाई में कांग्रेस जब सत्ता में आई तो पहले वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बनाई गईं। फिर उन्होंने परिवहन मंत्री और शहरी विकास मंत्री के रूप में काम किया। इसके अलावा वह उत्तर प्रदेश में विधानसभा की सदस्य रहीं और मंत्री भी बनीं।

पार्टी नेताओं और सहयोगियों ने मोहसिना किदवई के निधन पर गहरा शोक जताया और उन्हें एक समर्पित नेता के रूप में याद किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और पार्टी के आदर्शों के प्रति समर्पित कर दिया। पार्टी के बयान के अनुसार, आज बुधवार दोपहर 3 बजे उनके पार्थिव शरीर को नोएडा स्थित उनके आवास से ले जाया जाएगा। फिर शाम करीब 5 बजे निजामुद्दीन कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

# फटकार नहीं, तथ्य चाहिए, कप्तान पर सवाल उठाने से पहले खबर भी देख लें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** जनपद में हाल ही में हुई हाईवे पर ट्रक चालक की हत्या की घटना को लेकर कुछ नाराज पत्रकारों द्वारा पुलिस कप्तान की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये आलोचना तथ्य आधारित है या फिर व्यक्तिगत खीझ का नतीजा? घटना गंभीर है इसमें कोई दो राय नहीं। प्रयागराज के एक ट्रक चालक की हत्या हाईवे पर होना निश्चित ही चिंता का विषय है। लेकिन इस एक घटना को आधार बनाकर पूरे जिले की पुलिसिंग को नाकाबिल घोषित कर देना क्या जिम्मेदार पत्रकारिता है या सिर्फ सुर्खियां बटोरने का एक और प्रयास। जीपीएस से लोकेशन ट्रैक कर घटना का खुलासा होना यह जरूर दिखाता है कि अपराधी चालाक थे लेकिन यह भी हकीकत है कि पुलिस को सूचना मिलने के बाद ही कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू होती है। क्या पत्रकार यह बताना चाहेंगे कि बिना सूचना के पुलिस हर ट्रक के अंदर झांकने की जिम्मेदारी भी निभाए। जहां तक गश्त और चौकी की बात है तो क्या हर किलोमीटर पर पुलिस तैनात कर दी जाए और अगर ऐसा हो भी जाए तो क्या अपराध पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। या फिर अगली खबर होगी - हर जगह पुलिस, फिर भी अपराध क्यों? अब बात आती है चार दिन में खुलासा क्यों नहीं हुआ तो क्या हर केस टीवी सीरियल की तरह 24 घंटे में सुलझना चाहिए या फिर जांच को तथ्यों और सबूतों के आधार पर चलने देना चाहिए। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस पत्रकार को इस खबर के बाद पुलिस मीडिया सेल से बाहर किया गया वही अब पुलिस कप्तान की योग्यता पर सवाल उठा रहा है। सवाल उठाना लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन व्यक्तिगत नाराजगी को जनहित का जामा पहनाना थोड़ी ज्यादा ही रचनात्मकता नहीं हो गई। जब खबर में तथ्य कम और तंज ज्यादा हो जाए तो समझ जाइए मामला पत्रकारिता से ज्यादा व्यक्तिगत हो चुका है।

### नगर पालिका पर फर्जीवाड़े का आरोप

**सुलतानपुर।** नगर कोतवाली क्षेत्र के नरायनपुर गांव में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है जिससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। शिव नन्दन ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके पैतृक मकान को हड़पने के लिए उनके सगे चाचा एव चाची ने नगर पालिका कर्मियों से मिलीभगत कर कूटरचित वसीयतनामा तैयार कर लिया। शिकायत के अनुसार, मकान संख्या 168 पहले उनके बाबा छेदीराम के नाम था।

# चित्रकूट में रक्षा उत्पादन इकाई स्थापित करने हेतु 75 हेक्टेयर भूमि आवंटित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के चित्रकूट केंद्र में 75 हेक्टेयर भूमि का आवंटन पत्र भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज जैन को सौंपा। यह पहल चित्रकूट रक्षा केंद्र के व्यवस्थित एवं चरणबद्ध विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो प्रदेश में रक्षा उत्पादन अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक आधार के विस्तार को नई गति प्रदान करेगी।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक सशक्त और विश्वसनीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, साथ ही बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। मध्य भारत में रणनीतिक रूप से स्थित चित्रकूट केंद्र अपनी उत्कृष्ट परिवहन संपर्क व्यवस्था और भौगोलिक अनुकूलता के कारण रक्षा उत्पादन के लिए एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है, जो आने वाले समय में निवेश, रोजगार सृजन और उच्च तकनीक आधारित औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा लगभग 562.5 करोड़ रुपये का निवेश करते हुए अत्याधुनिक राडार तथा वायु रक्षा प्रणालियों के निर्माण हेतु एक उन्नत उत्पादन इकाई स्थापित की जाएगी। यह पहल न केवल रक्षा क्षेत्र में उच्च तकनीक आधारित उत्पादन को सुदृढ़ करेगी, बल्कि प्रदेश में औद्योगिक दक्षता और तकनीकी क्षमताओं के विस्तार को भी नई दिशा देगी। इसके परिणामस्वरूप 300 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है, जबकि सहायक और संबद्ध क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रूप से व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन से स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में इस उच्च तकनीक इकाई की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे रोजगार के लिए अन्य क्षेत्रों में पलायन की आवश्यकता में उल्लेखनीय कमी आएगी। यह परियोजना न केवल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन के विकास, अनुसंधान और नवाचार को भी प्रोत्साहित करेगी, जिससे प्रदेश में आधुनिक औद्योगिक व्यवस्था के निर्माण को बल मिलेगा।उन्होंने कहा कि यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को ठोस आधार प्रदान करते हुए रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करेगी। इसके माध्यम से आयात पर निर्भरता में कमी आएगी और देश में एक सशक्त, आत्मनिर्भर तथा एकीकृत रक्षा औद्योगिक व्यवस्था का निर्माण संभव होगा। साथ ही, इस परियोजना से सहायक तथा लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों के विकास को गति मिलेगी तथा उन्नत तकनीकी सहयोग, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान के नए अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चित्रकूट, जो अब तक अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए विख्यात रहा है।

## असमय वर्षा व ओलावृष्टि से फसलों के नुकसान पर मुख्यमंत्री ने त्वरित राहत के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने असमय वर्षा, ओलावृष्टि तथा कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाओं से रबी फसलों को हुए नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि प्रदेश सरकार इस आपदा की घड़ी में प्रत्येक किसान, कृषक परिवार एवं बटाईदार के साथ पूरी संवेदनशीलता, तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित किसान एवं बटाईदार के नुकसान का सटीक, निष्पक्ष एवं समयबद्ध आकलन कर तत्काल क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जनपद स्तर पर राजस्व, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र सर्वेक्षण कर रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाए, ताकि राहत वितरण में किसी प्रकार का विलंब न हो। बीमा कंपनियों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित कर फसल बीमा दावों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी स्वयं किसानों से संपर्क कर उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे अधिकतम राहत उपलब्ध हो सके।मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य आपदा राहत कोष से प्रत्येक जनपद को पर्याप्त धनराशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से सहायता प्रदान की जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां राहत शिविर स्थापित किए जाएं तथा मंडी समितियों के माध्यम से भी किसानों को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए।मुख्यमंत्री ने अग्निकांड की घटनाओं पर विशेष संवेदनशीलता बरतते हुए कहा कि जनहानि एवं पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत शीघ्र लाभान्वित किया जाए।

## बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने शिविर कार्यालय, 7- कालिदास मार्ग पर महान साहित्यकार एवं राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के अमर रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाएं आज भी जन-जन में देशप्रेम, स्वाभिमान एवं राष्ट्रीय चेतना की भावना को जागृत करती हैं। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय एक महान साहित्यकार, उपन्यासकार, निबंधकार एवं समाज सुधारक थे, जिन्हें आधुनिक बांग्ला साहित्य का जनक माना जाता है।उन्होंने आगे कहा कि उनका लिखा हुआ 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों में देशभक्ति की अलख जगाने का सशक्त माध्यम बना। यह गीत आज भी हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रज्ज्वलित करता है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सरकार द्वारा उनकी स्मृति में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिससे नई पीढ़ी को उनके योगदान एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण से प्रेरणा मिल सके।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' माँ भारती के प्रति अटूट प्रेम, बलिदान और आत्मसम्मान का ऐसा मंत्र है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में महान क्रांतिकारियों को राष्ट्र प्रेम के प्रति प्रेरित किया और आज भी हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की भावना को बलवती बनाता है। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को 'वंदे मातरम्' के रूप में राष्ट्रभक्ति का स्वर देकर एकजुट किया तथा उनकी प्रसिद्ध कृति 'आनंदमठ' ने जन-जन में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाने का कार्य किया।

## मुठभेड़ की तैयारी में घूम रहा गद्दी गैंग का सक्रिय सदस्य अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार

**लखनऊ।** दुबग्गा थाना क्षेत्र में पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान गद्दी गैंग के एक सक्रिय सदस्य को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में सुनसान मार्ग पर घूम रहा था, जिसे पुलिस ने समय रहते पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार 07 अप्रैल 2026 को शाम लगभग 7:50 बजे थाना दुबग्गा की पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध रोकथाम और संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रेलवे लाइन किनारे कल्लन खेड़ा से शाहपुर भमरौली जाने वाले सुनसान मार्ग पर गद्दी गैंग का एक सक्रिय सदस्य अवैध तमंचा और कारतूस के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया।

## मिशन शक्ति अभियान के तहत मलिहाबाद के ग्राम दुलारमऊ में महिलाओं व बच्चों को किया गया जागरूक

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत बुधवार को थाना मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम दुलारमऊ में महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा विभिन्न सहायता सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने राहगीर महिलाओं, बच्चों और स्थानीय नागरिकों को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, सहायता सेवाओं के दूरभाष क्रमांकों, उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुप्रयोग के उपयोग, महिला सहायता कक्ष तथा संगणक माध्यम से होने वाले अपराधों से बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अभियान में लगभग 20 से 25 महिलाओं एवं बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा अपराध की रोकथाम से जुड़ी जानकारियों से अवगत कराया गया।मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में जनपद लखनऊ के 54 थानों में मिशन शक्ति केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केन्द्रों पर निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक तथा महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की गई है, जिससे थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।जागरूकता कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक मनीषा पाठक तथा महिला आरक्षी ललिता सिंह एवं महिला आरक्षी अंकिता सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

### • संक्षेप •

## केंद्रीय बजट 2026–27 पर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान आयोजित

**लखनऊ।** बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "केंद्रीय बजट 2026–27 का विश्लेषण: नीडोनॉमिक्स परिप्रेक्ष्य" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नीडोनॉमिक्स विचारधारा के प्रवर्तक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. मदन मोहन गोयल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सनातन नायक ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। सर्वप्रथम प्रो. सनातन नायक ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा से अवगत कराया।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने व्याख्यान के आयोजन में विशेष रुचि दिखाने की सराहना की।मुख्य अतिथि प्रो. मदन मोहन गोयल ने 53,47,315 करोड़ रुपये के परिव्यय वाले केंद्रीय बजट 2026–27 को "आवश्यक, लेकिन पर्याप्त नहीं" बताते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारत के वित्तीय वर्ष को 1 जुलाई से 30 जून करने का सुझाव दिया, ताकि वित्तीय नियोजन को ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप बेहतर ढंग से समायोजित किया जा सके।नीतिगत प्रभावशीलता पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने चेताया कि अत्यधिक रियायतों पर निर्भरता नीतियों को परिवर्तनकारी बनाने के बजाय केवल सांत्वना तक सीमित कर सकती है। करदाताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 2.6 प्रतिशत आयकर देता है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 6.68 प्रतिशत योगदान करता है।

## 18 वर्षों से फरार डकैती का वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय के आदेश पर इटौंजा पुलिस की कार्रवाई

**लखनऊ।** इटौंजा थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे डकैती के एक वारंटी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह आरोपी पिछले 18 वर्षों से न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने लगातार सुरागरसी और पतारसी के बाद दबिश देकर उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार विशेष न्यायाधीश के न्यायालय द्वारा वाद संख्या 996/08, अपराध संख्या 03/2008, धारा 396 भारतीय दंड संहिता, थाना इटौंजा से संबंधित एक वारंटी गुड्डू पुत्र सियाराम, निवासी भन्सारी थाना कोतवाली सदर जनपद लखीमपुर खीरी के विरुद्ध गिरफ्तारी अधिपत्र जारी किया गया था। आरोपी गुड्डू पर डकैती का गंभीर अपराध करने का आरोप है और वह पिछले लगभग 18 वर्षों से फरार चल रहा था।इटौंजा थाना पुलिस टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस ने उच्च स्तर की सुरागरसी और पतारसी करते हुए आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। इसी क्रम में 08 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने आरोपी के अंकित पते पर दबिश दी। पुलिस ने गिरफ्तारी अधिपत्र दिखाते हुए आरोपी को उसके घर से हिरासत में ले लिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी लंबे समय से न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं कर रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी से एक पुराने लंबित मामले में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आरोपी के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह तथा मुख्य आरक्षी संतोष कुमार तिवारी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि कानून से बचने वाले अपराधियों को जल्द से जल्द न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

## अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल मंत्री ओम प्रकाश राजभर तथा राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में प्रमुख सचिव संयुक्ता समद्दार सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्रियों ने विशेष रूप से छात्रवृत्ति योजनाओं, मदरसा आधुनिकीकरण, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्रिमंडल मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि अल्पसंख्यक समुदाय के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाए जाएं, ताकि कोई भी लाभार्थी जानकारी के अभाव में वंचित न रह जाए।राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर योजनाओं की निगरानी बढ़ाने तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं के प्रभाव का नियमित मूल्यांकन किया जाए और जहां आवश्यकता हो, वहां सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

## आशियाना में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म का मामला दर्ज

**लखनऊ।** थाना आशियाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म किए जाने की गंभीर घटना सामने आई है। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना आशियाना में सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, इस मामले में नामजद अभियुक्त को हिरासत में लेकर उससे गहन पूछताछ की जा रही है। वहीं पीड़िता को आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा गया है, ताकि घटना से संबंधित सभी आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा सकें और जांच को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त मध्य, अपर पुलिस उपायुक्त मध्य तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैंट स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

## 'मऊ में 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क का लोकार्पण, औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति'

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने मऊ भ्रमण के दौरान विकास कार्यों को नई गति देते हुए नियाज़ मोहम्मदपुर में लगभग 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित सईदी मार्ग का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय नागरिकों को बधाई देते हुए आश्वस्त किया कि क्षेत्र में अन्य विकास कार्य भी इसी गति और प्राथमिकता के साथ कराए जाएंगे।अपने संबोधन में मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ की औद्योगिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्दा मिल परिसर में शीघ्र ही एक आधुनिक औद्योगिक संकुल विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मऊ की जो औद्योगिक पहचान और प्रतिष्ठा पहले थी, उसे पुनः स्थापित किया जाएगा। उन्होंने अतीत की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां युवाओं के हाथों में किताब और कलम होनी चाहिए थी, वहां उन्हें गलत दिशा में मोड़ा गया, लेकिन अब समय बदल चुका है। सरकार युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान कर मऊ की मुस्कान वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।मंत्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे मतों की राजनीति नहीं, बल्कि विकास की राजनीति में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोहरे इंजन की सरकार के माध्यम से प्रदेश में समेकित और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है, जिसका लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना और हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है।अपने भ्रमण के दौरान मंत्री ए.के. शर्मा ने मऊ में एक परोपकारी रक्त केंद्र के शुभारंभ कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि रक्तदान ही महादान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जहां एक ओर आत्मिक संतोष प्राप्त होता है, वहीं यह किसी जरूरतमंद के जीवन की रक्षा का माध्यम बनकर असीम आनंद प्रदान करता है।इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

## सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर महापौर सख्त, रोजाना निरीक्षण और वेतन कटौती तक के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** शहर में कूड़े के उठान से लेकर उसके निस्तारण तक की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को नगर निगम मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महापौर Sushma Kharkwal ने की, जिसमें नगर आयुक्त गौरव कुमार भी उपस्थित रहे। इस दौरान शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह सहित नगर स्वास्थ्य अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव, सभी जोनल अधिकारी, जोनल स्वच्छता अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कार्यों को तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।जोनवार समीक्षा के दौरान महापौर ने घर-घर से कूड़ा एकत्र करने की व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान कूड़ा समय से नहीं उठने और कूड़ा घरों में कचरा जमा रहने की शिकायतों पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब कूड़ा उठाने वाले वाहन क्षेत्रों में जा रहे हैं, तो घरों से कूड़ा क्यों नहीं उठ रहा और शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर क्यों दिखाई दे रहे हैं।महापौर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अब प्रतिदिन सुबह नियंत्रण कक्ष से सभी जोनल अधिकारियों और स्वच्छता अधिकारियों की निगरानी की जाएगी। सभी अधिकारियों को अपनी उपस्थिति की स्थिति साझा करनी होगी। यदि कोई भी अधिकारी पांच मिनट से अधिक समय तक सूचना देने में देरी करता है, तो उसके खिलाफ एक दिन के वेतन की कटौती की जाएगी।उन्होंने समस्त अपर नगर आयुक्तों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन सुबह 6 बजे अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें और सफाई व्यवस्था के कार्यों की मौके पर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर निरीक्षण से ही वास्तविक स्थिति का सही आकलन संभव है और इससे कार्यों में सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा।महापौर ने कहा कि जिन वार्डों में कूड़ा पड़ाव स्थल बन चुके हैं, वहां यदि किसी अन्य स्थान पर कूड़ा डंप पाया जाता है, तो संबंधित जोनल अधिकारी और स्वच्छता अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही संबंधित संस्थाओं को निर्देश दिए गए कि सभी अधूरे कूड़ा पड़ाव स्थल 30 अप्रैल तक पूर्ण कर लिए जाएं, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक जोनल अधिकारी और स्वच्छता अधिकारी की जिम्मेदारी है कि उनके क्षेत्र में कोई भी अवैध ठेलिया संचालित न हो। यदि ऐसी गतिविधि पाई जाती है, तो तत्काल ठेलिया जब्त कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाए।महापौर ने कार्यदायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि कोई संस्था कार्य में लापरवाही बरतती है, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे कार्य से वंचित किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।इसके साथ ही निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के निस्तारण को लेकर भी अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

## कार पार्किंग विवाद में मारपीट कर लूट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** मोहनलालगंज क्षेत्र में कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट और लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई लाइसेंसी रिवाल्वर, चार जिन्दा कारतूस तथा मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 07 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता हेमन्त सोनी, निवासी तेलीबाग वृंदावन, थाना पीजीआई, लखनऊ ने सूचना दी कि 06 अप्रैल 2026 की रात वह अपने बड़े भाई शंकर सोनी के साथ एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम से लौटते समय लगभग 10:30 बजे रात गाड़ी पीछे करने को लेकर रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह, आर्यन सिंह, निखिल सिंह उर्फ प्रिंस सिंह तथा अन्य अज्ञात लोगों से विवाद हो गया। आरोप है कि विपक्षियों ने अपनी कार शिकायतकर्ता की गाड़ी के आगे लगाकर दोनों भाइयों को खींचकर मारपीट की और हेमन्त सोनी की लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन तथा गले में पहनी सोने की चेन छीन ली।इस सूचना के आधार पर थाना मोहनलालगंज में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर घटना के अनावरण हेतु तत्काल दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वादी और आरोपी पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे। जिस कार्यक्रम में दोनों पक्ष शामिल हुए थे, वह एक बच्ची के मुंडन समारोह का आयोजन था। कार्यक्रम के बाद वाहन खड़ा करने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। उस समय आरोपी अपने गांव चले गए थे, लेकिन कुछ देर बाद दोबारा कार से लौटकर फुलवरिया मोड़ के पास खड़े हेमन्त सोनी और उनके भाई पर डंडों से हमला कर दिया तथा रिवाल्वर और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों की जांच की और संदिग्धों की पहचान की। 07 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर हुलासखेड़ा क्षेत्र में मोहनलालगंज-गोसाईगंज नहर मार्ग के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह (उम्र लगभग 39 वर्ष), आर्यन सिंह (उम्र लगभग 22 वर्ष) तथा विशेष त्रिवेदी उर्फ राज पंडित (उम्र लगभग 19 वर्ष) शामिल हैं।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अदद .32 बोर रिवाल्वर, चार अदद .32 बोर जिन्दा कारतूस तथा लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह के विरुद्ध पूर्व में भी एक गंभीर आपराधिक मुकदमा दर्ज है।

# इस्त्रायल- अमेरिका बनाम ईरान: होर्मुज की किरकिरी और ट्रंप का पसोपेश

ऐसा लगता है कि सब कुछ जेम्स हेडली चेज के उपन्यास के शीर्षक की तर्ज पर हुआ और डोनाल्ड ट्रंप और बेन्जामिन नेतन्याहू की जुगल-जोड़ी के साथ 'आ-बला, पकड़ गला' की उक्ति चरितार्थ हो गयी। एक माह बीत चुका है, लेकिन वर्षों से पाबंदियां झेल रहे ईरान के कस बल ढीले नहीं पड़ रहे हैं। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर रखी है और इस्राइल के फौजी और नागरिक ठिकानों पर रोजाना दस बैलिस्टिक मिसाइलें दाग रहा है। एक अप्रैल को बेत शेमेश पर उसके प्रहार से नौजने ठौर मारे गये और तिफरेत का सीनेगाग नष्ट हो गया। इस बीच इस्राइल की परेशानी इस नाते बढ़ गई है कि 28 मार्च से हूती लड़ाके भी जंग में शामिल हो गये है। हूतियों के दक्षिण इस्राइल में हमलों का स्रोत यमन है, लेकिन उस पर इराक और लेबनान के रास्ते भी आक्रमण शुरू हो गये हैं। गौरतलब है कि इस्रायल का दक्षिण लेबनान पर कब्जा उसकी ग्रेटर इस्रायल मुहीम का हिस्सा है, किंतु संसाधनों की न्यूनता के चलते अनेक मोर्चों का खुलना उसके लिये घातक और और विनाशकारी है। इस्रायल पर इराक और लेबनान की ओर से हमले तथा 'थ्री एच'-हमस, हूतो और हिजबुल्लाह की साझा सक्रियता बीबी (नेतन्याहू) की पेशानी पर सलों के लिये पर्याप्त है। तेल अवीव, हैफा और येरुशलम पर लगातार ड्रोन और मिसाइलें दाग कर ईरान ने आयरन डोम का मिथ ध्वस्त कर दिया है और संख्याबल के आधार पर वह इस्रायल को देर तक छकाने के मूड में है।

35 दिनों से जारी ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के फलस्वरूप सबसे बुरी गत ट्रंप की बनी है। अब साफ हो गया है कि उन्होंने ईरान पर हमला 'बीबी' के उकसावे पर खब्त में आकर किया। मिशन की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि पहले ही दिन अयातुल्लाह खामेनेई के हलाक होने के बावजूद ईरान में कोई 'कू-दे-ता' (तख्तापलट) नहीं हुआ। अयातुल्लाह के उत्तराधिकारी मोज्तबा मस्क्वा में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं और उनकी ट्रंप को नसीहत ने सारे विश्व का ध्यान आकृष्ट किया है। ट्रंप की दुनिया भर में भद्द पिटी है और 80 वर्षीय सनकी राष्ट्रपति के खिलाफ अमेरिकी शहरों में 80 लाख से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया। उनके खिलाफ कांग्रेस में अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात भी चल रही है। उनकी भतीजी की मुखालफत के बाद अब सिनेटर लिंडसे ग्राहम जैसे उनके समर्थक जो कल तक फिल्लिया फड़काने और खरग पर कब्जे की दंभोक्ति कर रहे थे, अब युद्धपोतों से पाल उतारने की बात कर रहे हैं। अमेरिका अब तक जंग पर 36 बिलियन डॉलर फूंक चुका है। नतीजा ढाक के तीन पात। अनेक अमेरिकी मेरिनर ईरान के हत्थे लग गये हैं और 31 मार्च को अमेरिकी युद्ध संवाददाता सुश्री शैली पिट्टसन का बगदाद में अपहरण कर लिया गया। उसके बाद से शैली का कोई अता-पता नहीं है।

अमेरिका-इस्राइल बनाम ईरान जंग को लेकर भविष्यवाणी नामुमकिन इसलिये है, क्योंकि कोई नहीं जानता कि ट्रंप कब क्या कर बैठेंगे? ईरान की शिकस्त और रेजीम चेंज के माम?ले में हाथ मल रहे ट्रंप अब होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे को भी भुलाने को तैयार है और चाहते हैं कि इस मुद्दे को क्षेत्रीय व योरोपीय शक्तियां सुलझायें। उनके शब्दों पर गौर करें। वह कहते हैं: 'द वार इज गोइंग ग्रेट एंड कमिंग टू ऐन एण्डा' मुमकिन है कि परमाणु हमला भी उनके दिमाग में हो, लेकिन पैट्रि?याटिक विजन के यूएनओ में प्रतिनिधि मोहम्मद सफा के इस्तीफे से इस साजिश का भांडा फूट गया है।

जंग का सबसे बड़ा असर है कि अमेरिका पोषित नाटो ने अमेरिका को धता बता दी है। उसके अनन्य सहयोगी ब्रिटेन के कीर स्टार्मर ने सहयोग से साफ इंकार कर दिया दिया है और फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, इटली स्पेन आदि भी उसी रास्ते पर हैं। जर्मनी में तो सारे अमेरिकी फौजियों और साजो सामान की वापसी की मांग उठ? रही है। जंग से अमीर-उमराव दुबई और मध्यपूर्व में इंवेस्टमेंट से मुँह फेर लेंगे। ईरान की रणनीति कि उसने अमेरिका के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट करियर अब्राहम लिंकन को दूर खदेड़ दिया है और सबसे ताजा खबर है कि तेल अवीव ने मध्यस्थता के लिये बीजिंग से संपर्क साधा है। यकीनन सामरिक और ऊर्जा के मान से दुनिया नये समीकरणों की देहरी पर है।

# अफसरों के नाकारापन से नहीं थमेंगे नालंदा मंदिर जैसे हादसे

**कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है।**

**योगेंद्र योगी**

सरकारी मशीनरी के नाकारा होने के कारण देश में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ जैसे हादसे रुक नहीं रहे हैं। हादसों ऐसी श्रृंखला में नालंदा मंदिर का हादसा भी जुड़ गया है। नालंदा के शीतला माता मंदिर में पूजा करने के दौरान भगदड़ मच गई और इसमें 9 लोगों की जान चली गई। आठ महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को शीतला अष्टमी के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे। वहां मेला भी लगा था। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मंगलवार को नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने कई देशों के छात्रों को डिग्री व मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान दिया गया। राष्ट्रपति की यात्रा की सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 10 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी। यह हालत है देश में जिम्मेदार मानी जाने वाली चुनी हुई सरकारों की। अधिकारी इस बात का आकलन ही नहीं कर सके कि इतने बड़े आयोजन में कोई हादसा भी हो सकता है। इसी भारी चूक की वजह से मंदिर स्थल पर पुलिस सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया गया। सारी फोर्स राष्ट्रपति की सुरक्षा के इंतजाम में लगा दी गई।

कुंभ मेले, मंदिर दर्शन, सत्संग, त्योहार और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने की होड़ जैसी घटनाएं न केवल आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि प्रबंधन की कमी के कारण अक्सर जानलेवा साबित होती रही है। साल-दर-साल मची भगदड़ में सैकड़ों निर्दोष जिंदगियां चली जाती हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। ये हादसे मुख्य रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं की चूक, अपवाहें, संकरी जगहों पर अत्यधिक भीड़ और प्रशासन की लापरवाही के कारण होती हैं। देश के सरकारी तंत्र ने विगत वर्षों में हुए इस तरह के हादसों से कोई सबक नहीं सीखा। यही वजह ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति थम नहीीं रही है। विगत एक दशक में ऐसा शायद ही कोई साल गया होगा, जब भगदड़ में मौतों की दर्दनाक घटनाएं सामने नहीं आई होंगी।

3 मई 2025 को गोवा के श्री लैरे देवी मंदिर के वार्षिक मेले में पूजा-अर्चना के दौरान भगदड़ मची। इसमें छह श्रद्धालुओं की मौत हुई और लगभग 55 लोग घायल हुए। 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज कुंभ में शामिल होने के लिए ट्रेन पकड़ने की होड़ के चलते मची भगदड़ में 18 यात्रियों की जान गई। 9 जनवरी 2025 को प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र में भगदड़ 30 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 60 लोग घायल हुए। इसी तरह 8 जनवरी 2025 आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर में छह श्रद्धालुओं की मौत हुई।

इसी तरह 2 जुलाई 2024 उत्तर प्रदेश के हाथरस में संत भोले बाबा (नारायण साकार हरि) की सत्संग के बाद भगदड़ मची। इस घटना में कुल 121 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। यह हादसा सुरक्षा प्रबंधों की कमी के चलते हुआ। 31 मार्च 2023 मध्यप्रदेश के इंदौर में रामनवमी पर ढाई तालाब की बावड़ी की छत गिरने के दौरान भगदड़ मच गई। इस हादसे में 36 तीर्थयात्रियों की मौत हुई और 16 अन्य घायल हुए। भीड़-नियंत्रण में चूक यहां भी जानलेवा साबित हुई। इन हादसों के अलावा विगत वर्षों में कटरा जम्मू में वैष्णो देवी मंदिर, महाराष्ट्र के मंधर देवी, नासिक में कुंभ स्नान, आंध्र प्रदेश के राजामुंद्री, बिहार के पटना में गांधी मैदान, मध्य प्रदेश के दतिया में पुल पर अफवाह फैलने, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी घाट पर आयोजित गायत्री महायज्ञ आयोजन, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में हिमाचल के नैना देवी में भगदड़ के दौरान सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी।

नालंदा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अन्य हादसों की तरह वही जांच कमेटी बना दी गई। बिहार सरकार की तरफ से मृतकों के परिजनों को सांत्वना राशि की घोषणा कर दी गई। राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से औपचारिकता निभानते हुए घड़ियाली आसूं बहाए गए। किन्तु एक भी जिम्मेदार अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अन्य हादसों की तरह इस हादसे में भी एक भी अफसर को जेल नहीं होगी। किसी का भी बांल बांका नहीं होगा, होगा भी तो सिर्फ दिखावे के लिए छोटे कर्मचारी अधिकारियों पर गाज घटना की गाज गिर सकती है। देश में परंपरा रही है कि बड़े अफसर हर बार बच निकलते हैं। इस लिहाज से बिहार की इस घटना इससे अलग नहीं है। सरकारों ने ना पहले हुए ऐसे हादसों से कोई सबक सीखा था ना ही बिहार हादसे से सीखेंगे। ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति देश में जारी रहेगी। ऐसे हादसों में सरकारी कुप्रबंधन की वजह से आम लोगों की मौत होती रहेगी और सरकारें तमाशबीन बनी रहेंगी।

## टिप्पणी

# श्रमिक हितों का ख्याल

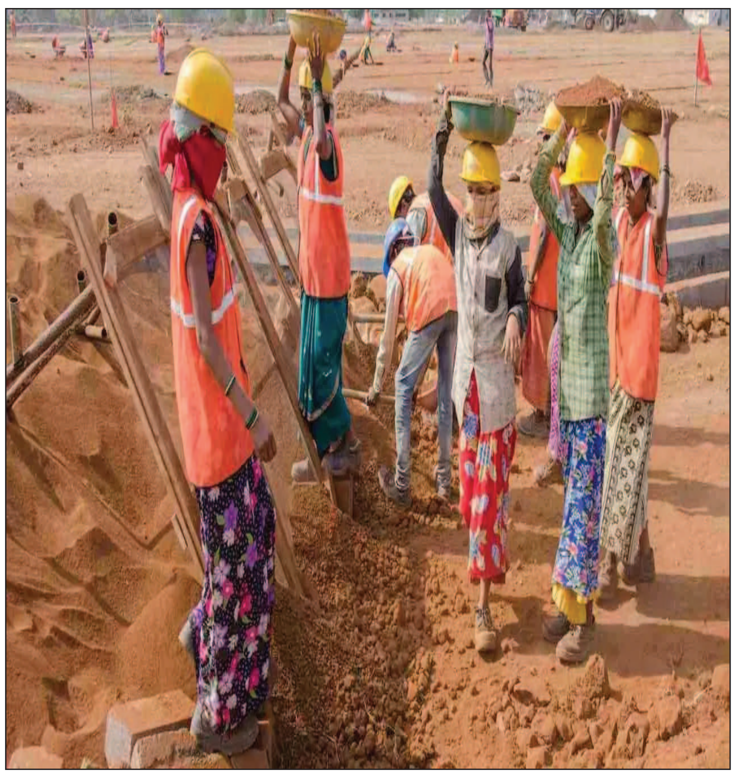

इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों का मामला राजनीतिक दायरे में आता है, जिस बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है।

किन गतिविधियों को उद्योग माना जाए, यह तय करने की जिम्मेदारी फिर सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाथ में ली है। मगर केंद्र ने उससे सहमत नहीं है। 1978 में उद्योग की परिभाषा सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने तय की थी। अब उस पर पुनर्विचार करने के लिए कोर्ट ने नौ जजों की बेंच बनाई है। उसके सामने अपना पक्ष रखते हुए केंद्र ने कहा कि कोर्ट को इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। केंद्र चाहता है कि सरकारी एवं समाज कल्याण से जुड़े कार्यों को औद्योगिक गतिविधि ना माना जाए। यह तर्क मंजूर होने का मतलब होगा कि इन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मी श्रम कानूनों/ संहिताओं के तहत मिले अधिकार/ लाभ से वंचित हो जाएंगे।

जाहिर है, इस प्रकरण का संबंध श्रमिकों से भी है। इसलिए इस मामले में उनका पक्ष भी महत्त्वपूर्ण होगा। इस दलील में दम है कि श्रम अधिकारों से संबंधित पहलू राजनीतिक दायरे का हिस्सा हैं, जिनके बारे में निर्णय संसद या सरकार को ही लेना चाहिए। मगर जहां मुद्दा संवैधानिक अधिकारों से जुड़ता हो, वहां कोर्ट की भूमिका बन जाती है। इसीलिए 1978 बैंगलोर जल आपूर्ति विभाग से जुड़े मामले में निर्णय तक पहुंचने के लिए सुप्रीम कोर्ट को संविधान पीठ का गठन करना पड़ा था। 2005 में उत्तर प्रदेश सरकार बनाम जयवीर सिंह मामले में ये विवाद फिर उठा, जो अब तक लंबित है।

उसी सिलसिले में अब कोर्ट नौ जजों की बेंच बनाई गई है। 1978 में कोर्ट ने कहा था कि कोई संगठन उद्योग की श्रेणी में आता है या नहीं, यह तय करने की कसौटी यह नहीं हो सकती कि मुनाफा कमाना उसका मकसद है या नहीं। इसके लिए कोर्ट ने तीन पैमाने तय किए: व्यवस्थित गतिविधि, प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच सहयोग, और वस्तु एवं सेवाओं का उत्पादन अथवा वितरण। इस तरह चैरिटी, सामाजिक कार्य एवं कल्याण कार्यों से जुड़े संगठन भी उद्योग के दायरे में आ गए। ये फैसला उस दौर में आया, जब वैचारिक दायरे में श्रमिकों के हित सर्वोपरि माने जाते थे। आज माहौल बदल चुका है। फिर भी श्रमिक हितों का ख्याल किया जाना चाहिए।

## ब्लॉग

# तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल: पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

**योगेश कुमार गोयल**

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थायी, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

## चित्रकूट में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को मिली रफ्तार

# सीएम योगी ने बेल को सौंपा 75 हेक्टेयर जमीन का आवंटन पत्र

आर्यावर्त संवाददाता

**चित्रकूट।** उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बन रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को बड़ी गति मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) को 75 हेक्टेयर जमीन का आवंटन पत्र सौंपा। इस मौके पर BEL के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज जैन भी मौजूद रहे। सरकार के मुताबिक, यह कदम चित्रकूट डिफेंस नोड के विकास में अहम माना जा रहा है।

### 562.5 करोड़ का निवेश, 300 से ज्यादा नौकरियां

BEL यहां करीब 562.5 करोड़ रुपये का निवेश कर अत्याधुनिक रक्षा निर्माण यूनिट लगाएगी। इस यूनिट में राडार और एयर डिफेंस सिस्टम तैयार किए जाएंगे। इससे 300 से ज्यादा लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि आसपास के क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रूप से और भी रोजगार के अवसर बनेंगे।

### बुंदेलखंड में बढ़ेगा उद्योग और रोजगार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिलने से पलायन भी कम होगा। उन्होंने यह भी कहा कि चित्रकूट, जो अब तक अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता था, अब रक्षा निर्माण के बड़े केंद्र के रूप में भी उभर रहा है।

### आत्मनिर्भर भारत को मिलेगा बल

सरकार का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से आत्मनिर्भर भारत मिशन को मजबूती मिलेगी। देश में ही रक्षा उपकरण बनने से आयात पर निर्भरता घटेगी और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस परियोजना से छोटे और मध्यम उद्योगों (MSME) को भी फायदा होगा और नए निवेश के रास्ते खुलेंगे। चित्रकूट डिफेंस नोड में BEL की एंट्री उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

# सामाजिक सरोकारों की दिशा में विष्वविद्यालय की पहल

आर्यावर्त संवाददाता

**जौनपुर।** पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में एक और प्रेरणादायी पहल के रूप में राजकीय बालिका संरक्षण गृह, रामनगर, वाराणसी का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में हुआ। विश्वविद्यालय की टीम ने बालिका गृह में निवासरत बालिकाओं के जीवन के विभिन्न आयामोंकृशिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, मानसिक सुदृढ़ता एवं पुनर्वास का गहन अध्ययन एवं मूल्यांकन किया। भ्रमण का उद्देश्य केवल यहाँ की व्यवस्थाओं का अवलोकन करना ही नहीं, बल्कि यह भी ज्ञात करना था कि विश्वविद्यालय पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में संरक्षण प्राप्त बालिकाओं के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण, कौशल विकास तथा सामाजिक पुनर्स्थापन में किस प्रकार प्रभावी योगदान दे सकता है। भ्रमण दल का नेतृत्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने किया। उनके साथ उपकुलसचिव श्रीमती बबीता, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव एवं डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की शोध छात्रा एवं वरिष्ठ नैदानिक मनोवैज्ञानिक पायल, तथा दिवाकर शर्मा उपस्थित रहे।

संरक्षण गृह की प्रभारी संगीता राय, परामर्शदाता दीपिका सिंह एवं उनकी टीम ने विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए संपूर्ण परिसर का विस्तृत निरीक्षण कराया तथा आवास, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श सेवाएँ, शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समग्र जानकारी प्रदान की।

# 1 मिनट में 25 शब्द भी टाइप नहीं कर पाए 3 क्लर्क, डीएम ने डिमोट कर बना दिया चपरासी

आर्यावर्त संवाददाता

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में कार्यक्षमता को लेकर जिलाधिकारी (DM) जितेंद्र प्रताप सिंह ने एक ऐसी कार्रवाई की है, जिसने पूरे कलेक्ट्रेट में हड़कंप मचा दिया है। टाइपिंग टेस्ट में निर्धारित स्पीड हासिल न कर पाने के कारण तीन कनिष्ठ लिपिकों (Clerks) को उनके पद से हटाकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (चपरासी) बना दिया गया है। कानपुर के इतिहास में इस तरह का यह पहला मामला माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कानपुर कलेक्ट्रेट के कैंप ऑफिस में तैनात नेहा श्रीवास्तव, अमित यादव और प्रेमनाथ यादव की नियुक्ति मृतक आश्रित कोटे के तहत कनिष्ठ लिपिक के पद पर हुई थी। नियमानुसार, इन कर्मचारियों को अपनी सेवा के एक वर्ष के भीतर टाइपिंग टेस्ट पास करना अनिवार्य था, जिसमें उनकी टाइपिंग स्पीड कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट होनी चाहिए थी।

अधिकारियों के मुताबिक, इन तीनों बाबुओं को अपनी योग्यता साबित करने के कई मौके दिए गए। 2023-24 में पहली बार टाइपिंग टेस्ट में फेल होने पर जिलाधिकारी ने रियायत देते हुए इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी थी और सुधार का मौका दिया था। फिर साल 2025 इस साल आयोजित हुए अंतिम परीक्षा में भी ये तीनों कर्मचारी निर्धारित 25 शब्द प्रति मिनट की गति हासिल करने में विफल रहे। लगातार तीन वर्षों तक योग्यता परीक्षा पास न कर पाने के कारण, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीनों को डिमोट कर चतुर्थ श्रेणी पद पर भेजने का आदेश जारी कर दिया।

### प्रशासन का पक्ष

एडीएम सिटी डॉ। राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि सेवा शर्तों के तहत टाइपिंग टेस्ट पास करना अनिवार्य था। बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद सुधार न होने पर यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। अब ये तीनों कर्मचारी लिपिक के बजाय चपरासी के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। इस फैसले के बाद कलेक्ट्रेट के अन्य कर्मचारियों में भी हड़कंप की स्थिति है, क्योंकि प्रशासन ने साफ कर दिया है कि कार्य में लापरवाही या अक्षमता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## पेड़ गिरने से बाइक सवार युवक की मौत

**जौनपुर।** जिले में बीती रात आई तेज आंधी-तूफान ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। मछलीशहर रोड स्थित सरकारी अस्पताल के पास अचानक नीम का पेड़ गिरने से बाइक सवार एक युवक उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पूरी घटना पास में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई, जिसने हादसे की भयावहता को उजागर कर दिया। मुंगरा बादशाहपुर क्षेत्र के पकड़ी गोदाम मोहल्ला निवासी 18 वर्षीय मनीष कुमार गौतम अपनी बाइक से कहीं जा रहा था कि इसी दौरान तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया, जिसके चलते वह सड़क किनारे रुक गए। तभी अचानक सड़क किनारे खड़ा एक पुराना नीम का पेड़ उनके ऊपर गिर पड़ा। पेड़ की भारी डाल के नीचे दबने से मनीष गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया।

# 14 साल पुराना वो थप्पड़...जिसके बाद उजड़ गया मेरठ का सबसे बड़ा बाजार, स्कूल-अस्पताल और बैंक भी अब रडार पर

आर्यावर्त संवाददाता

**मेरठ।** उत्तर प्रदेश के मेरठ का सेंट्रल मार्केट, जो दशकों से व्यापार का बड़ा केंद्र बना हुआ था, आज अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की वजह से सुर्खियों में है। बिना अनुमति चल रही दुकानों, स्कूलों और अन्य संस्थानों पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सीलिंग शुरू कर दी है। हालात ऐसे हो गए कि एक इमारत पर बुलडोजर चलते ही कई लोगों ने खुद अपनी दुकानें गिरानी शुरू कर दीं। इस अवैध मार्केट की उलटी गिनती उसी समय शुरू हो गई थी, जब एक अफसर को थप्पड़ मारा गया था। आइए जानते हैं पूरी कहानी।

इस पूरे मामले की शुरुआत एक छोटी सी घटना से हुई थी, जिसने आगे चलकर बड़े अभियान का रूप ले लिया। साल 2012 में आरटीआई एक्टिविस्ट लोकेश खुराना की शिकायत पर आवास विकास विभाग की टीम भूखंड संख्या 661/6 पर अवैध निर्माण को रुकवाने पहुंची थी।

इसी दौरान एक व्यापारी ने विभाग के अधिकारी को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद लोकेश खुराना ने पूरे सेंट्रल मार्केट से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी जुटानी शुरू की।

### बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण

जांच में सामने आया कि मार्केट में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कर व्यवसाय चलाया जा रहा है। इसके बाद खुराना ने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका (PIL) दाखिल की। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, एक-एक कर अवैध निर्माण सामने आने लगे। हालात ऐसे हो गए कि व्यापारी खुद ही एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें करने लगे, जिससे मामला और गहराता चला गया। लोकेश खुराना का मुख्य उद्देश्य भ्रष्टाचार को उजागर करना था, लेकिन इस कार्रवाई की चपेट में व्यापारी और अधिकारी दोनों ही आ गए। अब स्थिति यह है कि वर्षों से चल रहा व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है और लोग अपनी दुकानों को खुद ही गिराने पर मजबूर हैं।

### 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया है। इन संपत्तियों में 6 अस्पताल, 5 स्कूल और कुछ बैंक भी शामिल हैं। साथ ही हाई कोर्ट ने संबंधित विभाग से 9 तारीख तक जवाब मांगा है। इस आदेश के बाद सेंट्रल मार्केट में तनाव का माहौल है। मामले ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। विपक्षी दलों के नेता मौके पर पहुंचकर सरकार पर निशाना साध रहे हैं, जबकि व्यापारी भी सत्ता पक्ष के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

# मिशन शक्ति अभियान को चुनौती, खेल मैदान में लड़कियों से छेड़छाड़ व मारपीट का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

**सुलतानपुर।** जिले में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत चलाए जा रहे महिला सुरक्षा अभियान को असामाजिक तत्व खुली चुनौती देते नजर आए। कोतवाली देहात क्षेत्र के श्याम नगर गांव स्थित खेल मैदान में प्रैक्टिस करने पहुंची लड़कियों के साथ अभद्रता, छेड़छाड़ और मारपीट की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि कुछ युवक मैदान में पहुंचकर शराब पी रहे थे। खिलाड़ियों द्वारा विरोध करने पर आरोपित युवक फौजदारी पर उतारू हो गए। विवाद बढ़ने के बाद आरोप है कि उन्होंने रास्ते में खिलाड़ियों की घेराबंदी कर जमकर मारपीट की और उत्पात मचाया। इस दौरान लड़कियों को धमकाने और छेड़छाड़ करने की भी बात सामने आई है। घटना से डरी-सहमी खिलाड़ियों ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। हालांकि स्थानीय स्तर पर संतोषजनक कार्रवाई न होने पर पीड़ति बच्चियों ने पुलिस अधीक्षक चारू निगम से शिकायत की। संयोगवश, जब पुलिस अधीक्षक चारू निगम आवास जा रही थीं, तभी उनकी नजर बच्चियों पर पड़ी। उन्होंने गाड़ी रुकवाकर बच्चियों को पास बुलाया और पूरा मामला जाना। शिकायत सुनने के बाद एसपी ने आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया। पीड़ितों की ओर से झालापुर गांव के मोनू, करण, गोलू, आकाश समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

# 'बिना लात खाये...' मिर्जापुर में अफसरों पर भड़के बीजेपी विधायक, वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

**मिर्जापुर।** उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के बीजेपी विधायक रत्नाकर मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह जल जीवन मिशन के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान अपशब्द भाषा में भी बात करते हुए दिखे।

मंगलवार को विधायक रत्नाकर मिश्रा कोन ब्लॉक के गोबरहा गांव में योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ नमामि गंगे विभाग की एडीएम विजेता भी मौजूद थीं। निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने विधायक से शिकायत की कि गांवों में नल तो लगाए गए हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं आ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है।

### गांववालों की शिकायत सुनकर भड़के विधायक

गांववालों की शिकायत सुनने के बाद विधायक का गुस्सा भड़क गया। उन्होंने मौके पर मौजूद जल जीवन मिशन के अधिकारियों से सवाल किया कि आखिर किस गांव में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति हो रही है। जब अधिकारियों ने जवाब दिया कि पाइपलाइन डैमेज होने की वजह से समस्या उत्पन्न हुई है, तो विधायक इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुए। विधायक रत्नाकर मिश्रा ने सख्त लहजे में अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यह केवल पाइपलाइन की खराबी का मामला नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र में जल आपूर्ति बाधित है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी सही जानकारी नहीं दे रहे हैं और काम में लापरवाही बरत रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि बीजेपी विधायक कर्मचारियों पर भड़कते हुए कह रहे हैं कि बिना लात खाये बोकरादी कर रहे हो। इसी दौरान उन्होंने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए यहां तक कह दिया कि ज्यादा बहानेबाजी मत करो, नहीं तो डंडे से ठीक कर दिए जाओगे।

### विधायक ने दिया अल्टीमेटम

विधायक ने अधिकारियों को 22 तारीख तक व्यवस्था दुरुस्त करने का अल्टीमेटम भी दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर तय समय सीमा तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने मौके पर मौजूद एडीएम से निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ लिखित कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाए।

# तहसील मुख्यालय पर गेहूं क्रय केंद्र खोलने की किसानों ने उठाई मांग

आर्यावर्त संवाददाता

**बल्दीराय/सुलतानपुर।** बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर गेहूं क्रय केंद्र न होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द यहां गेहूं क्रय केंद्र स्थापित किया जाए, ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके। किसानों का कहना है कि सरकारी खरीद व्यवस्था न होने के चलते उन्हें मजबूरन अपने गेहूं को औने-पौने दामों पर व्यापारियों को बेचना पड़ रहा है। इससे उनकी मेहनत और लागत का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय किसानों के अनुसार, यदि तहसील मुख्यालय पर ही क्रय केंद्र खुल जाए, तो उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समय व खर्च दोनों की बचत होगी। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के किसान अमरजीत सिंह, शेषनाथ सिंह, राजमणि पांडे, शेर बहादुर सिंह, अरविन्द तिवारी आदि ने बताया कि गेहूं क्रय केंद्र न होने से क्षेत्र के किसान सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। किसानों ने यह भी कहा कि इस संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों से मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। किसानों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द बल्दीराय में गेहूं क्रय केंद्र खोला जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

## हत्याकाण्ड में तीन कास आजीवन कारावास

**जौनपुर।** एक अदालत ने सराफा व्यवसायी रविंद्र मौर्या की हत्या के मामले में फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रताप यादव ने दोषी संध्या मौर्या, भैयालाल और सूरज कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने साक्ष्य छिपाने के आरोप में प्रत्येक दोषी पर 35 हजार रुपये, कुल 1.05 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार हैदरपुर निवासी रविंद्र मौर्या फेरी लगाकर जेवर बेचने का काम करते थे। 18 अगस्त 2020 को रामपुर डेरवा निवासी संध्या मौर्या ने पायल खरीदने के बहाने उन्हें अपने घर बुलाया था। जब रविंद्र रात भर घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। संध्या के घर पहुंचने पर परिजनों को शक हुआ, क्योंकि उन्होंने देखा कि घर की नाली से खून बह रहा है। खून के निशानों का पीछा करते हुए परिजन पास के एक कुएं तक पहुंचे, जहां रविंद्र का शव बरामद हुआ। विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी संध्या, भैयालाल और सूरज कुमार को गिरफ्तार किया।

# ग्रेटर नोएडा के लिए मास्टरप्लान : 27KM लंबी ये रोड अब सीधे जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेगी, परी चौक के जाम से मिलेगा छुटकारा

आर्यावर्त संवाददाता

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और लगातार लगने वाले जाम को देखते हुए प्राधिकरण ने एक बड़ा फैसला लिया है। शहर की 130 मीटर चौड़ी सड़क को जेवर एयरपोर्ट और यमुना सिटी तक जोड़ने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद न केवल यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। बल्कि पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। खास बात ये है कि सड़क के विस्तार से परी चौक पर लगने वाले जाम से काफी हद तक छुटकारा मिल सकेगा, जो लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

ये सड़क लगभग 27 किलोमीटर लंबी होगी, जो ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ते हुए आगे यमुना सिटी तक पहुंचेगी। वर्तमान में ये सड़क सिरसा गोल चक्कर तक बनी हुई है। लेकिन अब इसे आगे बढ़कर जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद गाजियाबाद मेरठ और आसपास के इलाकों से आने वाले लोगों को सीधे एयरपोर्ट तक पहुंचने का आसान रास्ता मिल जाएगा।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, इस सड़क के निर्माण से पहले जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए किसानों से जमीन लेने के लिए सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि सर्वे और जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरे होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि वर्ष 2026-27 के दौरान इस परियोजना पर तेजी से काम शुरू किया जाएगा।

### किसानों से जमीन लेने की प्रक्रिया जारी

इस परियोजना के लिए जिन किसानों की जमीन प्रभावित होगी उनसे बातचीत कर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। प्राधिकरण की कोशिश है कि किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। ताकि परियोजना बिना किसी विवाद के आगे बढ़ सके। जमीन अधिग्रहण पूरे होते ही सड़क निर्माण का काम चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। इस सड़क को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा, जिससे यह एक अहम कनेक्टिविटी कॉरिडोर बन जाएगी। इसके लिए विशेष रेम्प तैयार किया जाएगा, ताकि वाहन आसानी से एक्सप्रेसवे पर चढ़ सके और उतर सकें। इससे दिल्ली NCR के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले लोगों को सीधा फायदा मिलेगा।

### परी चौक पर लगने वाले जाम से मिलेगी बड़ी राहत

ग्रेटर नोएडा का परी चौक ट्रैफिक जाम के लिए जाना जाता है। रोजाना हजारों वाहन यहां से गुजरते हैं, जिससे अक्सर लंबा जाम लग जाता है। नई सड़क के बनने से वाहनों का दबाव अलग-अलग रूट पर बांटा जाएगा, जिससे परी चौक पर जाम की समस्या काफी हद तक काम हो जाएगी। इस सड़क के बनने से लोगों को अब लंबा चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस परियोजना के साथ-साथ यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में अधूरी पड़ी सड़कों को भी पूरा करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में करीब 300 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एन जी रवि कुमार ने इस परियोजना को लेकर कहा- शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव को देखते हुए सड़कों का चौड़ीकरण और नई कनेक्टिविटी विकसित करना बेहद जरूरी हो गया है। 130 मीटर सड़क का विस्तार सिरसा गोल चक्कर से आगे यमुना सिटी और जेवर एयरपोर्ट तक किया जाएगा इसके लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिए जा चुके हैं और सर्वे का कार्य जारी है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद लोगों को नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंचने में काफी आसानी होगी और परी चौक जैसे वेस्ट इलाकों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

## तालाब में डूबने से दो बालकों की मौत

**जौनपुर।** मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताते है कि पराहित गांव निवासी अरविंद का 12 वर्षीय पुत्र मोनू उर्फ सत्यम और लालबहादुर का 9 वर्षीय पुत्र उमंग बिना बताए गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चले गए। उस समय परिवार के सदस्य खेतों में गेंहू की कटाई के काम में व्यस्त थे। परिजन शाम को जब खेतों से लौटे तो दोनों बच्चे घर पर नहीं मिले। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। काफी खोजबीन के बाद घर से करीब 500 मीटर दूर तालाब में दोनों के शव मिलने की सूचना मिली। आशंका जताई जा रही है कि नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए जिससे उनकी खोजबीन के बाद घर से करीब 500 मीटर दूर तालाब में दोनों के शव मिलने की सूचना मिली।

# न लगेगी मेहनत, न ज्यादा पैसे...घर पर बनाएं ऐसे अमचूर पाउडर, कई साल नहीं होगा खराब

**घर पर बनी चीज में मिलावट की संभावना नहीं होती है, इसलिए हमारी दादी-नानी पुराने जमाने से कई चीजें सीजन के हिसाब से बनाकर स्टोर कर लिया करती थीं। आप अमचूर पाउडर को घर पर तैयार कर सकते हैं जो बहुत ही आसान है। ये बाजार से काफी सस्ता भी पड़ता है। चलिए जान लेते हैं तरीका।**

अमचूर पाउडर कई डिशेज में यूज किया जाता है और ये भारतीय रसोई का हिस्सा। आज के मिलावटी दौर में मार्केट से किसी भी चीज के शुद्ध होने की गारंटी नहीं है। यही वजह है कि लोग अब सब्जियां, फल ग्रो करने से लेकर ज्यादातर चीजें होममेड ही पसंद करते हैं। आम का मौसम है तो इससे भी की चीजें बनाकर तैयार की जाती हैं। आप अमचूर पाउडर भी बना सकते हैं जो न सिर्फ शुद्ध होगा, बल्कि ये बिना किसी प्रिजर्वेटिव के भी आप कई साल के लिए स्टोर कर सकते हैं। इसी के साथ ये मार्केट से काफी सस्ता भी पड़ता है।

अमचूर पाउडर आपके खाने के स्वाद को टैंगी फ्लेवर तो देता ही है। ये विटामिन सी समेत कई एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। बाजार में मिलने वाले अमचूर पाउडर में अक्सर लोग सिट्रिक एसिड, स्टार्च और आर्टिफिशियल कलर आदि का यूज करते हैं, इसलिए आम के मौसम में आप इसे बनाकर स्टोर कर लें और पूरे सालभर तक इसका इस्तेमाल करें।

### एक ही इनग्रेडिएंट चाहिए यानी आम

अमचूर पाउडर बनाने के लिए आपको सिर्फ एक ही इनग्रेडिएंट की जरूरत होगी और वो है बड़े साइज के कच्चे आम। आप जितना पाउडर बनाना चाहते हैं उतने आम ले लें और फिर सारे आम को अच्छी तरह से धोकर कपड़े से पोंछ लें।

### ऐसे बनाएं अमचूर पाउडर

अमचूर पाउडर बनाने के लिए सारे आम को एक-एक करके छील लें और फिर इसको पतले स्लाइस में कट करें।

आम को काटने के लिए आप चिप्स काटने वाले स्लाइसर का यूज भी कर सकते हैं। इससे काम भी फटाफट होता है और सारे आम बिल्कुल बराबर की मोटाई में कटते हैं। इससे सुखाने में भी आसानी रहती है।

सारे आम को किसी बड़ी थाली या परात में फैला लें और फिर इसे तेज धूप में सुखाएं। ध्यान रखें कि आम को जब भी सूखने डालें तो सीधी धूप से बचाना जरूरी है, ताकि इनका रंग काला न पड़े।

सबसे बेस्ट तरीका है कि आप जिस भी बर्तन में आम सुखा रहे हैं उसे किसी हल्के मुलमुल या फिर कॉटन के कपड़े से ढक दें। 3 से 4 दिन की धूप में आम बिल्कुल सूख जाते हैं और ये तोड़ने पर क्रंची हो जाते हैं।

जब आम सूख जाएं तो इसे ग्राइंडर में डालकर पाउडर बना लें। बारीक छलनी से छान लें। बचे हुए आम को दोबारा से पीस लें। इस तरह से अमचूर पाउडर बनकर तैयार हो जाएगा।

### अमचूर पाउडर स्टोर करने का तरीका

इस अमचूर को आप किसी कांच के जार में भरकर स्टोर कर लें और ऐसी जगह पर रखें जहां पर इसमें नमी लगने की संभावना बिल्कुल न हो रहे। इसके लिए एयरटाइट कंटेनर का यूज करना सही रहता है। आपको जितने अमचूर पाउडर की जरूरत हो वो अलग किसी डिब्बे या मसालदानी में निकाल लें बाकी के को स्टोर कर दें। दरअसल बार-बार जार खोलने से अमचूर पाउडर में नमी लग सकती है।

# इंडक्शन या एलपीजी ... भारतीय कुकिंग के लिए दोनों में क्या है बेहतर?

**भारतीय घरों में अब इंडक्शन कुकटॉप का यूज लोग काफी ज्यादा करने लगे हैं, क्योंकि हालिया एलपीजी की किल्लत के बाद कुकिंग के लिए लोगों को ये एक सबसे सुविधाजनक तरीका लग रहा है, लेकिन इंडियन कुकिंग का जो तरीका है, उसके लिए एलपीजी ज्यादा बेहतर है या फिर इंडक्शन कुकटॉप।**

एलपीजी की बचत के लिए अब इंडक्शन कुकटॉप एक बेहतरीन ऑप्शन है और हाल की दिनों में गैस सिलेंडर न मिल पाने की वजह से भारतीय घरों में इसका यूज काफी बढ़ा है। अब तक या तो लोग पाइपलाइन गैस या फिर सिलेंडर के यूज से खाना पका रहे थे और इसी वजह से ज्यादातर इंडियन रसोई के लिए डेली रूटीन के खाना पकाने के लिए इंडक्शन का इस्तेमाल करना बिल्कुल नया है। कई देशों में तो मोस्टली पूरा खाना ही इंडक्शन कुकटॉप पर पकाया जाता है और LPG का यूज किया ही नहीं जाता है। फिलहल सुविधा कहें या फिर जरूरत, भारतीय घरों में भी इंडक्शन कुकटॉप अपनी जगह बना चुका है।

दरअसल गैस स्टोव, लकड़ी वाला चूल्हा या फिर इंडक्शन कुकटॉप पर खाना पकाना...ये कुकिंग के तरीके और सुविधा से जुड़ा हुआ है। हमारे यहां खाना कुक करने का तरीका दूसरी जगहों से बिल्कुल अलग है। तो ऐसे में जान लेते हैं कि इंडियन कुकिंग के लिए क्या ज्यादा बेहतर विकल्प है LPG या फिर इंडक्शन कुकटॉप।

### भारतीय कुकिंग में लौ का यूज

हमारे यहां खाना पकाने के लिए पुराने समय से सीधे आंच का यूज किया जाता रहा है। ऐसे में चूल्हे से एक कदम आगे बढ़कर धीरे-धीरे लोगों ने एलपीजी स्टोव पर जंप किया। दरअसल ये तरीका मिलता-जुलता ही था, क्योंकि इसमें भी खुली लौ का यूज होता है। अब बात करें इंडक्शन की तो इसमें सीधी फ्लेम नहीं होती है, बल्कि इसमें इलेक्ट्रिक मैग्नेटिक एनर्जी के यूज से बर्तन गर्म होता है और फिर उस पर खाना बनाया जाता है। ऐसे में इंडियन कुकिंग में कुछ चीजों को बनाने के लिए लोगों को थोड़ी दिक्कत होती है, जैसे रोटी सेंकना। अगर इंडक्शन पर रोटी सेकनी है तो इसके लिए आपको तवा पर ही इसे पूरा कुक करना पड़ेगा या फिर इसी के हिसाब से आपको लेटेस्ट फीचर्स वाला इंडक्शन लेना पड़ता है, जोकि हर घर में संभव नहीं है।

### भारतीय कुकिंग के बर्तनों में फर्क

इंडियन रसोई में इस्तेमाल होने वाले बर्तन ऐसे होते हैं जिनमें कुछ की तली समतल तो कुछ की तली गोलाई वाली होती है, जैसे कढ़ाई, तवा। ऐसे में ये बर्तन इंडक्शन पर यूज नहीं किए जा सकते हैं। वहीं कुछ मेटल्स के बर्तन भी इंडक्शन कुकटॉप पर यूज नहीं कर सकते हैं। इस वजह से आपको बर्तन उसी के हिसाब से खरीदने पड़ते हैं, जबकि गैस स्टोव पर वो सारे बर्तन यूज किए जा सकते हैं जिसे पहले के टाइम में लोग चूल्हे पर रखकर खाना पकाते थे।

### कुछ चीजें पकाना थोड़ा मुश्किल

भारतीय घरों में खाना पकाने के लिए लौ को बार-बार मीडियम, लो और हाई पर ले जाया जाता है। इंडक्शन में हर चीज को पकाने के लिए अलग मोड सेट करना होता है, लेकिन जरूरी नहीं है कि ये हमारे हिसाब से हीट प्रोड्यूस करे। इस वजह से कई बार चीजें या तो जल जाती हैं या फिर सही से पक नहीं पाती हैं। दरअसल मान लीजिए कि अगर मूंगफली के दाने रोस्ट करने हैं तो उसे धीमी आंच पर देर तक भूनते हैं ताकि कच्चापन निकल जाए। इसी तरह से सूजी को रोस्ट किया जाता है तो उसमें भी अपने हिसाब से गैस को कम या ज्यादा करना होता है। जबकि इंडक्शन में इस सिचुएशन में खाना पकाने में थोड़ी दिक्कत आती है। हालांकि टाइम के साथ जब आप इसे यूज करने लगते हैं तो मेथड समझ आ जाता है।

### बहुत ज्यादा खाना पकाने में दिक्कत

एलपीजी गैस स्टोव पर ढेर सारा खाना भी पकाया जा सकता है। आप सिलेंडर में तुरंत बड़ा गैस चूल्हा अटैच्ड कर सकते हैं। इसमें बहुत ज्यादा झंझट नहीं करना पड़ता है, जबकि इंडक्शन पर आप ढेर सारा खाना एक साथ नहीं पका सकते। इसके लिए आपको थोड़ा बड़ा सेटअप करना होता है। इस तरह से भी इंडियन कुकिंग के लिए एलपीजी गैस ज्यादा बेहतर है।

### सीखना अभी बाकी है

जैसा कि इंडियन रसोई के लिए जहां एलपीजी गैस स्टोव का यूज करना जाना-पहचाना सा था तो लोग जल्दी इसमें ढल गए। अब इंडक्शन कुकटॉप में खाना पकाने का तरीका बिल्कुल अलग है। इसमें न सिर्फ मैग्नेटिक एनर्जी से खाना पकता है, बल्कि अलग-अलग ऑप्शन होते हैं, इसलिए जो लोग थोड़े कम पढ़े-लिखे हैं या फिर टेक्नोलॉजी से उतना ज्यादा वाकिफ नहीं हैं। उनके लिए इसे धीरे-धीरे सीखना पड़ेगा। इस तरह से भारतीय कुकिंग की बात करें तो एलपीजी ज्यादा सुविधाजनक है, क्योंकि हमारे यहां ट्रेडिशनल कुकिंग में रोटी सेंकने से लेकर तंदूरी डिशेज तक, पारंपरिक व्यंजन बनते हैं जो इंडक्शन फ्रेंडली नहीं होते हैं।

# वर्टिगो को न लें हल्के में, इससे परेशान जरूर करें ये काम

क्या घरेलू नुस्खों से भी वर्टिगो से कुछ हद तक राहत पाई जा सकती है। ये कान के अंदर होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम है जिसके होने पर इंसान हर समय चक्कर से परेशान रहता है। वर्टिगो के होने पर प्रभावित व्यक्ति को बैठते और लेटे हुए भी चक्कर आते हैं। सीधा खड़ा होकर चलना तो बहुत मुश्किल होता है। वर्टिगो के भी कई टाइप होते हैं और ज्यादातर लोग कान या सर्वाइकल की वजह से होने वाले वर्टिगो से परेशान रहते हैं। दरअसल, आज के समय में मोबाइल या दूसरी स्क्रीन पर टाइम बिताने की लत लोगों को लगी हुई है। इसके अलावा फोन पर घंटों बात करना भी परेशानी का कारण बनता है।

ये एक न्यूरो प्रॉब्लम भी हो सकती है लेकिन कान या सर्वाइकल इसके अहम कारण माने जाते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर वर्टिगो क्यों होता है। साथ ही इसके होने पर किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इसके अलावा कुछ घरेलू नुस्खें भी जानें जो कुछ हद तक इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं।

### वर्टिगो आखिर क्यों होता है

एक्सपर्ट कहते हैं कि ज्यादातर लोगों को पेरिफेरल वर्टिगो की शिकायत होती हैं। इसमें कान के अंदर नसों में मौजूद लिक्विड में छोटे-छोटे क्रिस्टल बनने लगते हैं। इस वजह से बैलेंस बिगड़ जाता है और तेज चक्कर आने लगते हैं। ये चक्कर धीरे या तेज भी आने लगते हैं। वर्टिगो के टाइप में बीपीपीवी, वेस्टिब्यूलर न्यूराइटिस और मेनियर बीमारी भी शामिल है। पेरिफेरल सिचुएशन को पोजिशनल वर्टिगो भी कहा जाता है। एक्सपट्र्स के मुताबिक पोजिशनल वर्टिगो के ब्रेन से होने की संभावना कम होती है। ये या तो सर्वाइकल की वजह से होगा या इसका कारण कान में हो रही दिक्कत हो सकती है। इस केस में ये जानने की कोशिश करें कि आपको किस कान में वर्टिगो हुआ है।

### इन बातों का रखें ध्यान

पेरिफेरल वर्टिगो हुए है और ये पता चलने के बाद प्रभावित की जगह दूसरे कान की तरफ करवट लेकर सोने की आदत डालें।

ज्यादा झुके या ऊपर की तरफ देखने की कोशिश न करें।

अगर नीचे से सामान उठना है तो पहले बैठ जाएं और फिर उठाएं। ये सब करने से प्रभावित पार्टिकल का मूवमेंट कम होगा और वो 10 से 15 दिन में सेट हो जाएगा।

इसके बाद भी ये प्रॉब्लम बनी रहे तो आपको एंटी वर्टिगो दवाएं लेनी चाहिए। ये इस समस्या को जड़ से खत्म नहीं करती हैं लेकिन कुछ दिनों के लिए टाल देती हैं।

### वर्टिगो से राहत के घरेलू उपाय

अगर आपको वर्टिगो की शिकायत रहती है तो आपको अदरक का नुस्खा आजमाना चाहिए। कहते हैं कि ये हमारे ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है और इस तरह चक्कर की समस्या कम होने लगती है। रोजाना खाली पेट पानी में अदरक को गर्म करें और उबाल आने पर इस ड्रिंक या चाय को पिएं। आप चाहे तो इस चाय के अलावा अदरक सीधे चबा भी सकते हैं। खाली पेट तुलसी के पत्ते खाकर भी कुछ हद तक इस प्रॉब्लम को कम किया जा सकता है। तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जिस वजह से हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है। उठने के बाद सुबह खाली पेट तुलसी से चार से पांच पत्तों को चबाएं।

वैसे इस कंडीशन में हाइड्रेशन को बरकरार रखना जरूरी है क्योंकि कुछ लोगों को चक्कर तक आने लगते हैं। अपने साथ ओआरएस का पैकेट रखें क्योंकि ये डायरिया या उल्टियां लगने पर बॉडी में पानी की कमी होने नहीं देता। गर्मी में नॉर्मली भी आप ओआरएस को पी सकते हैं। गर्मियों के दौरान डिहाइड्रेशन की दिक्कत होने का डर बना रहता है इसलिए अपने साथ ओआरएस जरूर रखें।

वैसे वर्टिगो होने पर तुरंत डॉक्टरी इलाज लेना चाहिए। इन घरेलू नुस्खों को आप आजमा सकते हैं लेकिन इसके लिए डॉक्टर या एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

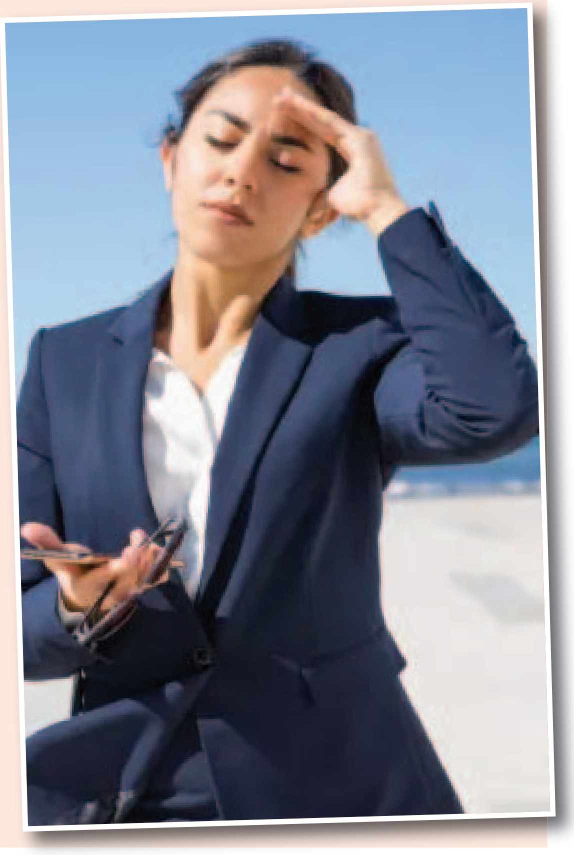

# ट्रायम्फ ने भारत में लॉन्च की सबसे सस्ती 350सीसी बाइक्स

## जीएसटी के नए नियम के बाद धड़ाम से गिरी कीमतें

अगर आप भी लंबे समय से एक दमदार और प्रीमियम मोटरसाइकिल खरीदने का सपना देख रहे थे, तो आपके लिए एक शानदार खुशखबरी है। भारी-भरकम टैक्स से बचने के लिए ब्रिटिश दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ट्रायम्फ ने एक बड़ा दांव चला है। कंपनी ने अपनी मशहूर 400 सीसी सीरीज की बाइक्स के इंजन को छोटा कर दिया है, जिसका सीधा फायदा ग्राहकों की जेब को हुआ है। टैक्स कम होते ही इन प्रीमियम बाइक्स की कीमतों में इतनी बड़ी गिरावट आई है कि अब इन्हें खरीदना आम आदमी के बजट में भी पूरी तरह से फिट बैठ रहा है।

### जीएसटी के नए नियमों ने पलटा बाजार का पासा

केंद्र सरकार के नए टैक्स स्लैब ने ऑटोमोबाइल बाजार में एक नई हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, 350 सीसी से ज्यादा की इंजन क्षमता वाले दोपहिया वाहनों पर अब 40 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया गया है। इतनी भारी टैक्स दर के साथ प्रीमियम बाइक्स को ग्राहकों के बजट में रखना कंपनियों के लिए लगभग असंभव हो गया था। इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए ट्रायम्फ ने अपनी 400 सीरीज के इंजन को 350 सीसी में तब्दील कर दिया। 350 सीसी से कम की बाइक्स 18 फीसदी टैक्स स्लैब में आती हैं, जिससे टैक्स का एक बड़ा हिस्सा बच गया और इसका सीधा लाभ ग्राहकों को कम कीमत के रूप में मिला।

### लाखों की कटौती के बाद अब ये हैं मॉडल्स की नई कीमतें

ट्रायम्फ की इस शानदार रणनीति के बाद अब शोरूम्स में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। दिल्ली एक्स-शोरूम के मुताबिक, स्पीड टी4 मॉडल अब मात्र 1,95,000 रुपये में उपलब्ध है। वहीं, स्पीड 400 की कीमत 2,31,890 रुपये और स्क्रैम्बलर 400 की कीमत 2,59,241 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, थ्रक्सटन 400 को 2,65,538 रुपये और स्क्रैम्बलर 400 एक्ससी को 2,89,534 रुपये में खरीदा जा सकता है। कीमतों में आई इस भारी गिरावट ने इन मॉडल्स को मिड-साइज सेगमेंट में सबसे आकर्षक और दमदार विकल्प बना दिया है।

### पावर में मामूली अंतर, लेकिन परफॉर्मेंस में कोई कमी नहीं

इंजन को 350 सीसी का बनाने के लिए कंपनी ने इसके बोर और स्ट्रोक में कुछ तकनीकी बदलाव किए हैं। हालांकि, इसके चलते पावर और टॉर्क के आउटपुट में थोड़ी कमी जरूर आई है। ट्रायम्फ स्पीड 400 और स्क्रैम्बलर 400ङ्ग का नया इंजन अब 36.50 बीएचपी की पावर और 32 एनएम का टॉर्क देता है, जो पहले के मुकाबले करीब 3 बीएचपी कम है। वहीं स्पीड टी4 का इंजन 29 बीएचपी पावर जनरेट कर रहा है। रफ्तार की बात करें तो पहले जहां स्पीड 400 को 0 से 100 किलोमीटर की गति पकड़ने में 7.4 सेकंड लगते थे, वहीं अब इसमें 8.1 सेकंड का समय लगता है। हालांकि कंपनी का दावा है कि टॉप स्पीड और शहरी ट्रैफिक में चलाने के अनुभव में राइडर्स को कोई भी फर्क महसूस नहीं होगा।

### नए ट्रैकर 400 की भी हुई एंट्री

इस बड़े बदलाव के बीच कंपनी ने भारतीय बाजार में 'ट्रैकर 400' नाम का एक बिल्कुल नया मॉडल भी उतार दिया है। ग्लोबल मार्केट से इतर इसे भारत में 350 सीसी प्लेटफॉर्म पर ही लॉन्च किया गया है, लेकिन थ्रक्सटन 400 की ही तरह यह सबसे पावरफुल ट्यूनिंग के साथ आता है। इसका इंजन 40 एचपी की पावर और 32 एनएम का बेहतरीन टॉर्क देता है। इन बाइक्स के फ्रेम, ब्रेक और सस्पेंशन जैसे अन्य अहम पार्ट्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे इनकी राइडिंग स्टेबिलिटी मजबूत बनी हुई है। भारत जैसे प्राइस-सेंसिटिव बाजार में ट्रायम्फ की यह नई और किफायती रणनीति खासी हिट हो सकती है।

# नौकरीपेशा लोगों के लिए गुड न्यूज, अब चुटकियों में यूपीआई और एटीएम से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा, जानें नए नियम

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने करोड़ों खाताधारकों की सुविधा के लिए पिछले साल ईपीएफओ 3.0 की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य रिटायरमेंट फंड बॉडी के डिजिटल सिस्टम को पूरी तरह से आधुनिक और आसान बनाना है। उम्मीद जताई जा रही है कि साल 2026 के मध्य तक यह नया सिस्टम पूरी तरह से लागू हो जाएगा। इसके तहत पीएफ खाताधारकों को कई बेहतरीन और परेशानी मुक्त सुविधाएं मिलने जा रही हैं, जिनमें से सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित सुविधा यूपीआई और एटीएम के जरिए पीएफ फंड की निकासी करना है।

### ईपीएफओ 3.0 से खत्म होंगे दफ्तरों के चक्कर, मिलेंगी ये बड़ी सुविधाएं

ईपीएफओ 3.0 के तहत कई क्रांतिकारी बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें प्रोविडेंट फंड तक कर्मचारियों की आसान पहुंच, ऑटो-क्लेम सेटलमेंट और कर्मचारी की पसंद के बैंक खाते में बिना किसी अड़चन के पैसा ट्रांसफर करना शामिल है। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब सदस्य अपना पीएफ बैलेंस सीधे यूपीआई पर देख सकेंगे और एटीएम व यूपीआई का इस्तेमाल करके तुरंत पैसा निकाल भी सकेंगे। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद कर्मचारियों को अपना ही पैसा निकालने के लिए बैंकों या ईपीएफओ कार्यालयों की लंबी लाइनों में लगने और चक्कर काटने से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

### जानिए एटीएम और यूपीआई से निकाल सकेंगे कितनी रकम

इस नई सुविधा के तहत निकासी की कुछ सीमाएं भी तय की गई हैं। ईपीएफओ यूपीआई या एटीएम के जरिए पीएफ बैलेंस निकालने की अधिकतम सीमा खाते में जमा कुल रकम के 50 प्रतिशत तक तय कर सकता है। यह नियम इसलिए बनाया जा रहा है ताकि कर्मचारियों के खाते में भविष्य की जरूरतों और रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत बनी रहे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए ईपीएफओ अपने सदस्यों के लिए विशेष एटीएम कार्ड भी जारी कर सकता है, जो सीधे उनके पीएफ खाते से लिंक होंगे।

### नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए पूरी करनी होंगी ये जरूरी शर्तें

एटीएम और यूपीआई के जरिए पीएफ का पैसा आसानी से निकालने के लिए खाताधारकों को केवाईसी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होंगी। सबसे पहली शर्त यह है कि सदस्य के पास एक एक्टिव यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (र्‌ह) होना अनिवार्य है। इसके साथ ही रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर चालू होना चाहिए और यूएएन का आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता संख्या और आईएफएससी (ढ्डस्नस्ष्) कोड के साथ लिंक होना बहुत जरूरी है। इस पूरी प्रक्रिया को बिना किसी परेशानी के लागू करने के लिए ईपीएफओ ने 32 सरकारी और निजी बैंकों के साथ अहम समझौता भी किया है, ताकि कंपनियां सीधे बैंकों में पीएफ का पैसा जमा कर सकें और दावों के निपटारे में लगने वाले समय को कम किया जा सके।

# व्हाटसएप ला रहा नया 'नॉस कैन्सलेशन फीचर, अब भीड़भाड़ वाली जगहों पर आएगी एकदम क्लियर आवाज

व्हाटसएप अपने यूजर्स के लिए लगातार नए फीचर्स पर काम करता रहता है और इसी कड़ी में अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कंपनी जल्द ही 'नॉइस कैंसिलेशन फीचर लॉन्च करने की तैयारी में है, जिससे वॉइस और वीडियो कॉलिंग का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा बेहतर होने वाला है। फिलहाल यह फीचर कुछ बीटा यूजर्स के लिए टेस्टिंग में देखा गया है।

### भीड़-भाड़ में भी साफ सुनाई देगी आवाज

इस नए फीचर की मदद से कॉल के दौरान बैकग्राउंड में मौजूद शोर अपने आप कम हो जाएगा। चाहे ट्रैफिक का शोर हो, हवा की आवाज या आसपास की भीड़—यूजर्स को कॉल पर सामने वाले की आवाज काफी साफ सुनाई देगी। खासतौर पर आउटडोर या शोरगुल वाले माहौल में यह फीचर बेहद उपयोगी साबित होगा।

### बीटा यूजर्स को मिल रही झलक

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नॉइस कैंसिलेशन फीचर फिलहाल एंड्रॉइड के कुछ बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है। अगर आपने बीटा वर्जन इंस्टॉल किया हुआ है, तो 2.26.14.14 अपडेट के साथ कॉलिंग सेक्शन में इस फीचर को देखा जा सकता है। हालांकि, इसे अभी धीरे-धीरे रोलआउट किया जा रहा है, इसलिए सभी यूजर्स तक पहुंचने में थोड़ा समय लग सकता है।

### ऐसे करेगा काम

यह फीचर कॉल के दौरान डिफॉल्ट रूप से एक्टिव रहेगा, जिसे यूजर चाहें तो ऑन या ऑफ भी कर सकते हैं। इसकी खास बात यह है कि आपकी आवाज सामने वाले को तभी पूरी तरह साफ सुनाई देगी, जब दोनों यूजर्स इस फीचर का इस्तेमाल कर रहे हों। इससे हर प्रतिभागी को बेहतर कॉल क्वालिटी मिल सकेगी।

### किन लोगों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

कंपनी का लक्ष्य इस फीचर के जरिए रिमोट वर्कर्स, स्टूडेंट्स और उन लोगों के लिए कॉलिंग को आसान बनाना है, जो अक्सर शोर वाले माहौल में बातचीत करते हैं। अब यूजर्स को शांत जगह ढूंढने की जरूरत नहीं होगी—वे कहीं से भी क्लियर कॉलिंग का अनुभव ले सकेंगे। यह नया फीचर आने वाले समय में डिजिटल कम्युनिकेशन को और भी आसान और प्रभावी बना सकता है।

# सीजफायर से पूरी दुनिया खुश लेकिन अमेरिका में बैठे इस एक शख्स को लगा सबसे बड़ा सदमा!

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर से पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली है। लेकिन अमेरिका में बैठे ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी सदमे में हैं। इस संघर्षविराम से सबसे ज्यादा वही दुखी होंगे। 28 फरवरी को अमेरिका के हमले के साथ उन्होंने कई ख्वाब पाले थे, जिसपर फिलहाल ब्रेक लग गया है।

पहलवी खामेनेई के शासन का विरोध करते आए हैं। जंग के बीच उन्होंने साफ किया था कि वो ईरान में लोकतंत्र की ओर स्थापना का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं और उनका लक्ष्य ईरान को अमेरिका का एक रणनीतिक साझेदार बनाना है। रजा पहलवी के कई बयानों से तो ऐसा लगता था कि ईरान की शासन से

खामेनेई का खात्मा हो चुका है और वो बस गद्दी पर बैठने वाले हैं।

2027 में बाबा साहब के सहारे बीजेपी, UP में अंबेडकर मूर्ति योजना से दलितों को साधने की रणनीति!

पहलवी ने ईरान के लोगों से यहां तक कहा था कि जैसे ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बना रहे हैं, वैसे ही वह अपने बहादुर देशवासियों के साथ मिलकर ईरान को फिर से महान बनाएंगे।

### सीजफायर से पहले पहलवी ने क्या कहा था?

सीजफायर से पहले रजा पहलवी ने एक्स पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने ईरान के सुरक्षाबलों से एक अपील की थी। उन्होंने अपने मैसेज के जरिए देशभक्ति की भावना जगाई। पहलवी ने कहा, आप इस धरती के देशभक्त और मशहूर कमांडरों के वारिस हैं।

### निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी

इससे पहले, जब अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई मारे गए थे, तब पहलवी ने कहा था कि उन्हें अपनी मातृभूमि से बाहर रहते हुए 47 साल से ज़्यादा हो गए हैं। दुनिया भर में कई लोग उनकी तस्वीर लिए घूम रहे हैं, उनसे वापस लौटने की गुज़ारिश कर रहे हैं और उन्हें अपना नेता बता रहे हैं।

### 'मेरे मन में ईरान बसा'

घर से दूर रहते हुए पहलवी ने कहा, मेरी ज़िंदगी के हर साल, हर पल मेरे मन में ईरान ही बसा रहा। उनका मानना है कि ईरान के लोग उन्हें एक 'ट्रांज़िशनल लीडर' (बदलाव लाने वाले नेता) के तौर पर भरोसा करते हैं।

1960 में तेहरान में जन्मे पहलवी 7 साल की उम्र में ही सार्वजनिक जीवन में आ गए थे, जब उनके पिता के राज्याभिषेक के दौरान उन्हें औपचारिक रूप से युवराज घोषित किया गया था। 17 साल की उम्र तक वह ईरान के सबसे कम उम्र के पायलट बन चुके थे। हालांकि इसके कुछ ही समय बाद वह जेट फाइटर पायलट की ट्रेनिंग के लिए अमेरिका चले गए और फिर कभी वापस नहीं लौटे।

1979 की इस्लामी क्रांति ने राजशाही को खत्म कर दिया और उनके पिता को सत्ता से हटा दिया। उस समय पहलवी विदेश में थे, जिसके चलते वह फिर कभी अपने वतन वापस नहीं लौट पाए। तब से वह अपनी पत्नी यास्मीन एतेमाद-अमिनी और अपने तीन बच्चों के साथ अमेरिका में ही निर्वासन का जीवन बिता रहे हैं।

### ईरान के लोगों से क्या बोले थे पहलवी

पहलवी ने धर्म को राज-काज से अलग करने और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने की भी वकालत की है। कुछ ईरानियों की इस चिंता के बावजूद कि पहलवी अपने पिता के तानाशाही शासन को वापस लाना चाहते हैं, उन्होंने कहा कि वह संवैधानिक राजतंत्र की अपने-आप बहाली की मांग नहीं करेंगे। जनवरी में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पहलवी ने कहा, ईरानी लोगों का बहुमत जो भी फैसला करेगा, एक संवैधानिक सभा में उनके प्रतिनिधियों को इस अगली व्यवस्था के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने की ज़िम्मेदारी सौंपी जाएगी।

# संदेश वाहक या मीडिएटर ईरान-अमेरिका के युद्ध विराम में पाकिस्तान की असल भूमिका क्या है?

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर में पाकिस्तान की भूमिका की खूब चर्चा हो रही है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर मैसेज में पाकिस्तान का जिक्र किया है तो वहीं दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी समझौते को लेकर जारी संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को धन्यवाद दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पाकिस्तान ने इस पूरी प्रक्रिया में किस तरह की भूमिका निभाई है?

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने व्हाइट हाउस के सूत्रों से युद्ध विराम को लेकर एक रिपोर्ट की है। इसके मुताबिक ईरान ने सोमवार (6 अप्रैल) को एक 10 सूत्री प्रस्ताव भेजा था, जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप के दूत

स्टीव विटकॉफ गुस्सा हो गए थे। अमेरिकी मध्यस्थ किसी भी तरह से ट्रंप के डेडलाइन को आगे बढ़ाना चाहते थे।

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक इसके लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चीन से मदद मांगी। चीन ने ईरान से संपर्क किया और उसे नरमी बरतने की सलाह दी। इसके बाद 10 सूत्री प्रस्ताव में थोड़ा बदलाव किया गया। बदलाव में सबसे पहले यह तय किया गया कि अमेरिका ईरान पर हमला नहीं करेगा। बदले में ईरान होर्मुज को खोल देगा।

इस पर बात बनने के बाद पाकिस्तान को ईरान से एक संदेश आया, जिसके बाद ट्रंप ने इस प्रस्ताव को मंजूर किया। ट्रंप के मंजूरी मिलते ही ईरान के सुप्रीम लीडर से संपर्क साधा गया। एक्सियोस के मुताबिक सुप्रीम लीडर ने जैसे ही इसकी मंजूरी दी। ईरान ने पाकिस्तान को संदेश भेज दिया। फिर ट्रंप ने इसकी घोषणा की।

यानी पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान की भूमिका सिर्फ अमेरिका से संदेश लाने और ईरान को भेजने तक सीमित रही। पाकिस्तान ने न तो प्रस्ताव तैयार करने में किसी तरह की भूमिका निभाई और न ही उसे बदलवाने में।

### सवाल- PAK को इसमें क्यों शामिल किया?

अमेरीकी प्रोफेसर और पॉलिसी एक्सपर्ट एडम कॉचरान के मुताबिक अमेरिका एक धड़ा किसी भी सूरत में नहीं चाहता था कि युद्ध और आगे बढ़े। ट्रंप के पास पीछे हटने का कोई कारण नहीं था। ऐसे में पाकिस्तान को नए सिरे से मैसेज भेजा गया। वो भी तब, जब पाकिस्तान ने सऊदी के साथ खड़े होने की घोषणा की थी। कॉचरान का कहना है कि ट्रंप प्रशासन ने ईरान में अपने हित को साधने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के मिडिल ईस्ट मामलों के एक्सपर्ट कबीर तनेजा का कहना है कि यह भूमिका निभाना पाकिस्तान के लिए यह जरूरी है। क्योंकि, उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। ऐसे में उसकी कोशिश किसी तरीके से मिडिल ईस्ट में एंटर करने की है। वो चाहता है कि उसका संबंध अमेरिका से भी ठीक हो। जैसे पहले था।

# इधर अपनी जंग खत्म नहीं करा पाया पाकिस्तान, चीन के सामने अफगानिस्तान ने दिखा दी आंख

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर कराने का दावा करने वाला पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ खुद स्थाई युद्ध विराम तक नहीं पहुंच पाया है। मंगलवार (7 अप्रैल) को चीन में बिना किसी ठोस नतीजे के तालिबान और पाकिस्तान के बीच समझौते को लेकर आयोजित मीटिंग खत्म हो गई। इस बैठक में तालिबान के कुछ सवालों ने पाकिस्तान की परेशानी बढ़ा दी है। तालिबान और पाकिस्तान के बीच लंबे वक्त से तनाव है। मार्च 2026 में दोनों ने अस्थाई युद्ध विराम की घोषणा की थी। बीबीसी पश्तो के मुताबिक बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान से आतंकवाद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके अलावा तालिबान ने डूरंड लाइन को मान्यता नहीं देने की बात कही। तालिबान ने यह भी कहा कि अस्थाई युद्ध विराम के बावजूद पाकिस्तान की सेना उसके इलाकों में हमला कर रही है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक चीन ने इस बैठक को अपने यहां आयोजित किया था। 6 दिनों तक यह बैठक चली, जिसमें कई मुद्दों पर दोनों ने बात की। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी का कहना है कि कुछ मुद्दों पर बातचीत उपयोगी रहा है। मुत्ताकी ने आगे कहा कि हम फिर से बातचीत के लिए बैठेंगे। हमारी कोशिश जंग को खत्म करने की रहेगी, लेकिन यह सब पाकिस्तान पर निर्भर करेगा।

### टीटीपी पर भी दोनों एक-दूसरे से भिड़े

रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में पाकिस्तान ने टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान का कहना था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान नामक आतंकी संगठन को काबुल में पनाह दिया गया है, जिसे तालिबान ने सिरे से खारिज किया। तालिबान का कहना था कि आतंकवाद पाकिस्तान की घरेलू समस्या है। तालिबान ने पाकिस्तान से मीटिंग में पूछ लिया कि बताओ आतंक की परिभाषा क्या है? इसके बाद डूरंड लाइन पर पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने खरी-खोटी सुना दी। डूरंड लाइन पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा को परिभाषित करने के लिए खिंची गई हैं। इसकी लंबाई 2640 किलोमीटर है, जिसे अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मान्यता नहीं दी है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने में 5 देश शामिल हैं। इनमें चीन, तुर्की, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब और कतर शामिल हैं। चीन इस शांति वार्ता को लीड कर रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि जब तक टीटीपी को अफगानिस्तान से खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक बात नहीं बन सकती है।

# यूएस-ईरान सीजफायर से महबूबा मुफ्ती खुश, पाकिस्तान की तारीफ कर बोलीं- पूरी दुनिया को बचा लिया

**जम्मू, एजेंसी।** जम्मू और कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि आज हमारे बहुत खुशी का दिन है। मैं अल्लाह का शुक्र अदा करती हूं, जिसने ईरान को इजराइल के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया। महबूबा ने साथ ही पाकिस्तान की भी तारीफ की है। पूर्व सीएम ने कहा कि मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज़ नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने पूरी दुनिया को बचाया है।

महबूबा मुफ़्ती ने कहा, 'आज हमारे लिए बहुत खुशी का दिन है, जैसा कि आप जानते हैं कि ईरान में हज़ारों लोग मारे गए थे और यह आशंका जताई जा रही थी कि हम विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। मैं अल्लाह का शुक्र अदा करती हूं, जिसने ईरान को इजराइल के खिलाफ खड़े होने का साहस दिया। हम इस युद्ध में मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकते, क्योंकि उन्होंने पूरी दुनिया को बचाया है। मैं ईरान की इस भूमिका की सराहना करती हूं कि उसने सिर्फ़ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि अमेरिका और इजराइल ने स्कूलों, अस्पतालों और हर चीज को निशाना बनाया था। हमें उम्मीद है कि यह अस्थायी संघर्ष-विराम स्थायी हो जाएगा और ईरान में भी शांति कायम होगी।'

### उमर अब्दुल्ला क्या बोले?

वहीं, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने युद्धविराम के परिणामों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि लगभग 40 दिन के संघर्ष के बाद अमेरिका ने आखिर क्या हासिल किया। मुख्यमंत्री ने युद्धविराम के तहत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोले जाने की खबरों पर 'एक्स' पर 'हैशटैग अनजस्टवॉर (अन्यायपूर्ण युद्ध) के साथ एक पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी। पोस्ट में उन्होंने कहा, तो युद्धविराम एक ऐसे स्ट्रेट को फिर से खोलने की अनुमति देता है, जो युद्ध शुरू होने से पहले भी सभी के उपयोग के लिए खुला था और स्वतंत्र रूप से उपलब्ध था। इस युद्ध से अमेरिका को वास्तव में क्या हासिल हुआ।

### 2 हफ्ते के लिए सीजफायर

बता दें कि अमेरिका और ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन और तेहरान के प्रतिनिधिमंडलों के शुक्रवार को इस्लामाबाद में मिलने की उम्मीद है। यह एक मार्च के बाद से युद्धरत देशों के बीच पहला खुला राजनयिक संपर्क होगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल ने बुधवार को दो सप्ताह के लिए अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति जताई।

## पलानीस्वामी का DMK पर हमला, कहा- पांच वर्ष के कार्यकाल में त्रस्त हो गई जनता

**चेन्नई, एजेंसी।** तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए जनता से इसे सत्ता से हटाने की अपील की है। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में डीएमके शासन के दौरान लोगों ने काफी मुश्किलें झेली हैं और अब समय आ गया है कि इस बुरे शासन को हटाया जाए। उन्होंने अपनी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए दावा किया कि एआईएडीएमके सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था मजबूत रही और आम लोग सुरक्षित महसूस करते थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार गलत काम करने वालों के खिलाफ सख्त और तुरंत कार्रवाई करती थी। वहीं, चेन्नई में हर साल मानसून के दौरान होने वाले जलभराव को लेकर भी उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि बारिश के समय चेन्नई डूब जाता है और लोगों को तैरने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है।

## ममता बनर्जी ने भवानीपुर से भरा नामांकन, टीएमसी जीत का किया दावा

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (AITC) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 8 अप्रैल 2026 को भवानीपुर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई अहम बातें कहीं, जो बंगाल चुनावों को लेकर बेहद अहम ही है। ममता बनर्जी ने कहा कि वह पूरे 365 दिन यहीं रहती हैं और यह उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने भवानीपुर के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी 294 सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। उन्होंने पूरे भरोसे के साथ कहा कि तृणमूल कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी और बीजेपी अपने मिशन में फेल होगी।

वहीं नामांकन फाइल करने के बाद उन्होंने SIR पर हमला बोला। उन्होंने कहा, "मुझे इस बात का बहुत दुख है कि बहुत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। 1.12 करोड़ वोटरों में से सिर्फ 32 लाख नाम ही बचे हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैंने सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया था।" उन्होंने बताया कि पहले चरण में 58 लाख वोटरों के नाम कट चुके हैं और यह मामला अभी पूरी तरह खुला है। उन्होंने यह भी कहा कि डुप्लीकेट या मृत वोटरों के नाम हटाए जाने चाहिए, लेकिन बिना वजह नाम काटना सही नहीं है।

ममता बनर्जी ने कहा कि 27 लाख से अधिक ऐसे वोटर हैं जो विचाराधीन हैं और अभी तक उनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं जोड़े गए हैं। उनका मानना है कि इन लोगों को वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने बताया, "सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि विचाराधीन लोग असली वोटर हैं। जिन लोगों के नाम अभी भी नहीं जुड़ पाए हैं, वे ट्रिब्यूनल में अपील करेंगे। प्रक्रिया को रोककर रखने का क्या फायदा? हम जरूरी कदम उठाएंगे।" ममता बनर्जी ने साफ किया कि उनकी पार्टी इस मामले में पूरी तरह सक्रिय है और वोटरों के अधिकारों के लिए लड़ती रहेगी।

### भारी भीड़ के साथ किया नामांकन

ममता बनर्जी जब केंद्र के पास पहुंच तो उन्हें नारे लगा रहे समर्थकों ने घेर लिया। मुख्यमंत्री ने लगभग 800 मीटर की दूरी पैदल तय की, इस दौरान उन्होंने हाथ जोड़कर पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया और एक बेहद अहम मुकाबले से पहले आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश की।

# 'आमिर ने फिर से लिखा एक दिन का क्लाईमेक्स', मंसूर खान ने बताया कैसे बनी आमिर के साथ जोड़ी, कई बार हुए मतभेद

**निर्माता-निर्देशक मंसूर खान ने आमिर खान के साथ अपनी सफल जोड़ी को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि 'एक दिन' का क्लाईमेक्स पसंद न आने पर आमिर ने क्या कुछ किया...**

'कयामत से कयामत तक' और 'जो जीता वही सिकंदर' जैसी हिट फिल्मों के मशहूर फिल्म निर्माता मंसूर खान जुनैद खान की 'एक दिन' से निर्माता के तौर पर वापसी कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मंसूर खान बतौर सह-निर्माता जुड़े हुए हैं। अब मंसूर ने बताया कि किस तरह से वो इस फिल्म से जुड़े रहे और उन्होंने इसकी मेकिंग के दौरान क्या योगदान दिया।

### 'एक दिन' से गहराई से जुड़ा रहा

वैरायटी से बातचीत के दौरान मंसूर खान ने कहा कि जहाज का कप्तान तो एक ही होना चाहिए। हालांकि, मॉनिटर पर सीन देखता रहता था और ऑब्जर्व करता था। जरूरत पड़ने पर प्रतिक्रिया देता था। लेकिन कभी भी कलाकारों या टेक्नीशियन को सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं किया। ताकि डायरेक्टर का अपना विजन बना रहे और फिल्म उसी पर आगे बढ़े। मंसूर का कहना है कि 'एक दिन' में उनकी भागीदारी 'जाने तू... या जाने ना' में उनकी पिछली भूमिका की तुलना में कहीं अधिक रही है। स्क्रिप्ट लिखने से लेकर एडिटिंग और म्यूजिक तक वो पूरी फिल्म मेकिंग प्रक्रिया में गहराई से जुड़े रहे हैं।

### आमिर के साथ होता था क्रिएटिव डिफरेंस

आमिर खान के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए मंसूर बताते हैं कि 'कयामत से कयामत तक' से लेकर 'जो जीता वही सिकंदर' तक उनका रिश्ता कैसे विकसित हुआ। उन्होंने बताया कि आमिर के साथ समय के साथ कॉन्फिडेंस बढ़ता गया, लेकिन मतभेद होना स्वाभाविक था। 'जो जीता वही सिकंदर' के दौरान ऐसा ही एक उदाहरण क्लाइमेक्स को लेकर था।

'एक दिन' में भी इसी तरह की सहयोगात्मक भावना देखने को मिली। मंसूर बताते हैं कि आमिर को क्लाइमेक्स सीन को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने इसे दोबारा लिखा। पहले के मतभेदों के उलट इस बार टीम आमिर के नजरिये से सहमत हुई, जो एक क्रिएटिव डिफरेंस और बातचीत को दिखाता है।

एक गाने के सीक्वेंस को लेकर भी बहस छिड़ी, लेकिन मंसूर ने निर्देशक सुनील के नजरिये का समर्थन किया। आखिर में आमिर ने भी उनकी पसंद को माना। फिल्मी घराने से आने और इतनी सफल फिल्में बनाने के बावजूद मंसूर का कहना है कि दिल से मैं सिनेमा प्रेमी नहीं हूं। वह खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में मानते हैं, जिसने फिल्मों का निर्माण जुनून के बजाय ईमानदारी से किया।

### 1 मई को रिलीज होगी 'एक दिन'

सुनील पांडे द्वारा निर्देशित आमिर खान प्रोडक्शंस की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'एक दिन' 1 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। यह 2016 की थाई ब्लॉकबस्टर 'वन डे' का ऑफिशियल रीमेक है। इसमें आमिर के बेटे जुनैद खान के साथ साई पल्लवी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। साई इस फिल्म से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत कर रही हैं। कहानी जापान के सपोरो के मनमोहक दृश्यों के बीच एक अनोखी प्रेम कहानी के रूप में सामने आती है।

# एनसीडब्ल्यू ने दी नोरा फतेही को आखिरी चेतावनी, आयोग के सामने खुद को पेश करने के दिए निर्देश, जिम्मेदारों को दी ये सजा

**फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में नया अपडेट सामने आया है। अब 'नेशनल कमिशन फॉर विमन' (एनसीडब्ल्यू) ने नोरा फतेही को आयोग के सामने खुद पेश होने का आखिरी मौका दिया है।**

**अगले तीन महीनों तक वे महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करेंगे और इसकी रिपोर्ट आयोग को सौंपेंगे।**

फिल्म 'केडी द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर मार्च में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इस गाने में नोरा फतेही और संजय दत्त नजर आए थे, लेकिन इसके बोल और डांस स्टेप्स को लेकर काफी विवाद हुआ। लोगों का कहना था कि गाना ज्यादा वल्गर और आपत्तिजनक है।

### 27 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

मामला इतना बढ़ गया कि 'नेशनल कमिशन फॉर विमन' (NCW) ने नोरा फतेही, संजय दत्त और अन्य लोगों को नोटिस भेज दिया। आयोग ने गाने में अश्लीलता और महिलाओं की छवि को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, आयोग ने अगली सुनवाई की तारीख 27 अप्रैल 2026 तय की है। इससे पहले 6 अप्रैल को इस मामले में सुनवाई हुई थी, जिसमें नोरा फतेही की ओर से उनके वकील पेश हुए थे। हालांकि, आयोग ने वकील की सफाई को स्वीकार नहीं किया और नोरा को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए।

### NCW ने सुनाई ये सजा

सुनवाई के दौरान गीतकार रकीब आलम, फिल्म के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम के एम और सुप्रीथ आयोग के सामने पेश हुए। आयोग की सदस्य ने गाने के लिरिक्स पर चिंता जताते हुए कहा कि ये महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। साथ ही यह दलील भी खारिज कर दी गई कि उन्हें गाने के शब्दों का मतलब नहीं पता था।

NCW ने इस गाने के आपत्तिजनक लिरिक्स को लेकर खुद संज्ञान लिया था। आयोग की चेयरपर्सन विजया किशोर राहतकर की अध्यक्षता में हुई इस सुनवाई में साफ कहा गया कि अब नोरा फतेही को खुद आकर अपना पक्ष रखना होगा।

NCW के मुताबिक, सभी संबंधित लोगों ने लिखित में माफी मांगी और माना कि इस गाने का समाज पर गलत असर पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगले तीन महीनों तक वे महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करेंगे और इसकी रिपोर्ट आयोग को सौंपेंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com